अजमेर, सीकर, झुंझुनूं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूंदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 9314505000 लॉग ऑन करें: www.chamaktarajasthan.com

RNI No. RAJHIN/2011/40950

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

चमकता राजस्थान

Email- chamaktarajasthan8789@gmail.com जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2022-23

जयपुर, शुक्रवार, 29 सितंबर 2023 वर्ष : 14 अंक : 46 पृष्ठ : 8 दैनिक प्रातः कालीन मूल्य : 1 रूपया

ब्रीफ न्यूज

एशियन गेम्स शूटिंग में भारत को एक और गोल्ड

हांगझोउ, एजेंसी। चीन के हांगझोउ में चल रहे 19वें एशियन गेम्स के पांचवें दिन 10 मीटर एयर पिस्टल में गुरुवार को भारतीय मेंस टीम ने दिन का पहला गोल्ड दिलाया। सरबजीत सिंह, अर्जुन सिंह और शिवा नरवाल की तिकड़ी ने इस इवेंट में 1734 स्कोर कर गोल्ड जीता। इस इवेंट में चीन ने 1733 स्कोर के साथ सिल्वर और वियतनाम ने 1730 का स्कोर कर ब्रॉन्ज जीता। वहीं भारतीय वुशु खिलाड़ी रोशिबिना देवी ने 60 किलो वेट कैटेगरी में सिल्वर जीता। भारतीय खिलाड़ी एशियन गेम्स 2022 में अब तक 6 गोल्ड, 8 सिल्वर और 11 ब्रॉन्ज सहित कुल 25 मेडल जीत चुके हैं।

प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक स्वामीनाथन का निधन

नई दिल्ली, आरएनएन। प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक और देश की 'हरित क्रांति में अहम योगदान देने वाले एम एस

स्वामीनाथन का गुरुवार को निधन हो गया। वह 98 वर्ष के थे। उनके परिवार में तीन बेटियां हैं। एम एस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन के सूत्रों ने बताया कि उनका कुछ वक्त से उम्र संबंधी बीमारियों के लिए इलाज चल रहा था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन के निधन पर दुख जताया और साथ ही कहा कि कृषि क्षेत्र में उनके अभूतपूर्व योगदान ने लाखों लोगों के जीवन को बदला और राष्ट्र के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की।

गुजरात में 800 करोड़ की कोकीन पकड़ी

सूरत, आरएनएन। गुजरात पुलिस लगातार ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ कर रही है।

गांधीधाम पुलिस ने 800 करोड़ रुपए की 80 किलोग्राम कोकीन जब्त की है। पुलिस का मानना है कि ड्रग्स के ये पैकेट पुलिस की निगरानी से घबराकर ड्रग्स तस्कर छोड़ गए हैं। गृह राज्य मंत्री हर्ष सांघवी ने गांधीधाम पुलिस की तारीफ की। उन्होंने कहा कि पंजाब, हरियाणा ने कई सालों से जितना ड्रग्स नहीं पकड़ा, उतना गुजरात पुलिस ने 2 साल में पकड़ा है।

दीमक ने खा लिए बैंक के लॉकर में रखे नोट

नई दिल्ली, आरएनएन। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में एक महिला को बैंक के लॉकर में कैश रखना बहुत महंगा पड़ गया। महिला का कहना है कि बैंक के लॉकर

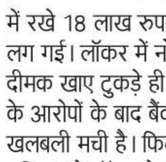

में रखे 18 लाख रुपयों में दीमक लग गई। लॉकर में नोटों की जगह दीमक खाए टुकड़े ही बचे हैं। महिला के आरोपों के बाद बैंक स्टाफ में खलबली मची है। फिलहाल बैंक ने महिला को लॉकर के नियमों और एग्रीमेंट का हवाला देकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया है। महिला से कहा गया है कि नियमों के मुताबिक लॉकर में कैश नहीं रखा जा सकता। अलका पाठक का दावा है कि बेटी की शादी के लिए बैंक के लॉकर में 18 लाख कैश रखे थे।

अब तक 50 लोग घायल, इनमें ज्यादातर स्कूली छात्र

मणिपुर में हिंसा और भड़की, सीएम के घर पर हमला करने पहुंचे उपद्रवी

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को 500 मीटर पहले रोका, आंसू गैस के गोले दागे

● इंफाल / आरएनएन

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इंफाल पूर्व के लुवांगसांगबाम स्थित निजी घर पर गुरुवार रात उपद्रवी हमला करने पहुंचे, लेकिन पुलिस ने उनको घर से करीब 500 मीटर पहले ही रोक लिया। पुलिस ने आंसू गैस के गोले दाग कर उपद्रवियों को खदेड़ दिया। हमले के प्रयास के बाद सीएम के घर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

इस बीच राज्य में जुलाई से लापता दो मैतेई स्टूडेंट्स की डेड बॉडीज की तस्वीरें सामने आने के बाद हिंसा फिर भड़क गई है। बुधवार को राजधानी इंफाल समेत कई जगहों पर प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच हिंसक झड़प हुई। प्रदर्शनकारियों में बड़ी संख्या में छात्र शामिल थे। इस हिंसा में 50 घायल हुए हैं जिनमें से ज्यादातर स्कूली छात्र हैं। हैरान करने वाली बात ये है कि जिन इलाकों में हिंसा भड़की है उन्हें मणिपुर सरकार ने शांतिपूर्ण घोषित कर अफस्पा से दूर रखा है। बुधवार को प्रदर्शनकारियों ने थोबुल जिले में बीजेपी ऑफिस में भी आग लगा दी, उधर इंफाल में भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष शारदा देवी के घर पर हमला किया और मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह का पुतला जलाया गया।

श्रीनगर के एसएसपी को मणिपुर भेजा

केंद्र सरकार ने श्रीनगर के एसएसपी राकेश बलवाल को जम्मू-कश्मीर से मणिपुर ट्रांसफर कर दिया है। बलवाल 2012 बैच के आईपीएस अफसर हैं। वे 2021 के अंत में श्रीनगर के एसएसपी बनाए गए थे। हिंसा के बीच उन्हें मूल कैडर मणिपुर भेजा गया है। श्रीनगर एसएसपी के रूप में कार्यभार संभालने से पहले बलवाल साढ़े 3 साल तक एनआईए में बतौर एसपी प्रतिनियुक्ति पर थे। बलावल उस टीम के मेंबर थे, जिसने 2019 पुलवामा आतंकी हमले की जांच की थी। इस हमले में 40 सीआरपीएफ जवानों की जान चली गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने आईपीएस राकेश बलवाल को एजीएमयूटी कैडर से मणिपुर कैडर में समय से पहले वापस भेजने के गृह मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

सीएम पर मैतेई समर्थक होने के आरोप

सीएम बीरेन सिंह और सरकार पर पहले ही मैतेई समर्थक होने के आरोप लगते रहे हैं। ये फैसला विवादों में इसलिए है क्योंकि शांतिपूर्ण घोषित किए गए इंफाल, थोबुल में ही मैतेई लोगों की भीड़ ने आगजनी की और भाजपा दफ्तर जला दिया। स्कूल खुलने के बाद इन्हीं इलाकों में स्टूडेंट इकट्ठा हुए और प्रदर्शन किया। इसी के बाद हिंसा फिर भड़की और 50 लोग घायल हुए हैं। ऐसे में हिंसाग्रस्त इलाकों को शांतिपूर्ण बताकर अफस्पा से दूर रखा जाना फिलहाल समझ से परे है।

कोटपूतली-बहरोड़ जिले में प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम

राज्य सरकार के फैसलों-योजनाओं से समाज का हर वर्ग लाभान्वित-मुख्यमंत्री

चमकता राजस्थान, जयपुर। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के चहुंमुखी विकास और प्रदेशवासियों के कल्याण के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। सरकार के नीतिगत फैसलों और जनकल्याणकारी योजनाओं से समाज का प्रत्येक वर्ग लाभान्वित हुआ है। पिछले पांच वर्ष में राज्य ने आर्थिक, सामाजिक, चिकित्सा, शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत ढांचे का विकास सहित सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की है।

गहलोत गुरुवार को कोटपूतली-बहरोड़ जिले के काठूवास गांव में स्व. श्रीमती बिमला देवी एवं स्व. श्री लेखरामजी ठेकेदार के प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्व. बिमला देवी एवं स्व. लेखरामजी ने अपने परमार्थ कार्यों और समाज सेवा से जनमानस में लोकप्रिय थे। उनकी प्रतिमाएं युवा पीढ़ी को हमेशा प्रेरणा देती रहेंगी।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान अपने कुशल वित्तीय प्रबंधन के कारण जीडीपी में उत्तर भारत में नम्बर 1 तथा देश में नम्बर 2 राज्य बन गया है। आईटी, दुग्ध उत्पादन और दलहन उत्पादन में भी राजस्थान देश का अव्वल राज्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पिछले 5 सालों में 90 से अधिक विश्वविद्यालय और 310 महाविद्यालयों की स्थापना की गई है। वृहद स्तर पर उप तहसील, तहसील, सीएचसी, पीएचसी, प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय खोलकर प्रदेश का सर्वांगीण विकास किया गया है।

राज्य की योजनाओं का अन्य प्रदेश भी कर रहे अनुसरण

गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गांरटी योजना, आरजीएचएस जैसी योजनाएं देश में मिसाल बनी हैं। अन्य राज्य भी राजस्थान की योजनाओं और फैसलों का अनुसरण कर रहे हैं। उन्होंने केन्द्र सरकार से अपील की है कि वे भी राज्य सरकार की योजनाओं का अध्ययन कराकर देशभर में ऐसी योजनाएं लागू करें।

रूके कार्यों को प्रतिबद्धता से बढ़ाया आगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने सरकार बनने के साथ ही पूर्ववर्ती सरकार की योजनाओं को बंद करने के बजाय सुदृढ़ कर आगे बढ़ाया। पूर्व में रूके जयपुर मेट्रो, बाड़मेर रिफाइनरी के विकास कार्यों को फिर से शुरू किया। केदारनाथ त्रासदी पीड़ितों को सरकारी सेवा में नियुक्ति देने के संवेदनशील निर्णय को फिर लागू किया गया। साथ ही, पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) के लिए 14 हजार करोड़ रुपए स्वीकृत कर इसका कार्य शुरू करवाया जा रहा है। उन्होंने केन्द्र सरकार से ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने की मांग की।

राजस्थान सामाजिक सुरक्षा में सिरमौर

श्री गहलोत ने कहा कि

चुनाव आयोग आज से 3 दिन के दौरे पर

विधानसभा चुनाव की तैयारियों का लेंगे फीडबैक; पॉलीटिकल पार्टियों, पुलिस, केन्द्रीय एजेंसियों संग करेंगे बैठक

चमकता राजस्थान, जयपुर।

राजस्थान में अगले सप्ताह किसी भी दिन चुनावों की घोषणा हो सकती है। इसकी तैयारियों का फाइनल प्लान जानने के लिए सेंट्रल से चीफ चुनाव आयोग 3 दिन के दौरे पर जयपुर आ रहे हैं। वे यहां पॉलिटिकल पार्टीज के प्रतिनिधियों से लेकर चुनाव में काम करने वाली तमाम एजेंसियों के प्रमुखों से चर्चा कर यहां का फीडबैक और तैयारियों का प्लान देखेंगे। राज्य में मुख्य निर्वाचन आयुक्त प्रवीण गुप्ता ने बताया- भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त आयुक्त राजीव कुमार, निर्वाचन आयुक्त अनूप चंद्र पांडेय और अरूण गोयल 29 सितंबर से 1 अक्टूबर तक जयपुर रहेंगे। 29 सितंबर को मुख्य निर्वाचन आयुक्त जयपुर में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद आयोग एनफोर्समेंट एंजेंसियों जैसे राज्य पुलिस, सीपीएफ, आयकर, आबकारी, परिवहन, वाणिज्यिक कर विभाग, राज्य की लीड बैंक के समन्वयक, रेलवे और एयरपोर्ट आदि के नोडल ऑफिसर्स संग विधानसभा चुनाव के संबंध में चर्चा करेंगे।

चुनाव पूर्व तैयारियों का जायजा लेंगे

गुप्ता ने बताया- 30 सितंबर को मुख्य निवार्चन अधिकारी राज्य पुलिस के नोडल अधिकारी और केन्द्रीय पुलिस बल के नोडल अधिकारियों से तैयारियों का प्रेजेंटेशन देखेंगे। इसमें बताया कि जाएगा कि कैसे ये एजेंसियां चुनाव को निष्पक्ष करवाने के लिए काम करेगी, ताकि आदर्श आचार संहिता की पालना सुनिश्चित हो सके। इसके बाद वे सभी जिलों के निर्वाचन अधिकारियों, पुलिस महानिरीक्षकों, जिले के एसी और चुनाव से जुड़े अधिकारियों के साथ बैठक कर चुनाव पूर्व तैयारियों का जायजा लेंगे। एक अक्टूबर को केन्द्रीय दल राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक के साथ बैठक करेंगे। उसके बाद मीडिया से मुखातिब होकर तैयारियों की जानकारी साझा करेंगे।

कांग्रेस एमएलए सुखपाल तस्करी केस में अरेस्ट

अमृतसर, आरएनएन। पंजाब में कपूरथला के भुलत्थ से कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैहरा को गुरुवार सुबह साढ़े 5 बजे चंडीगढ़ से गिरफ्तार कर लिया गया।

विधायक को गिरफ्तार करने के लिए जलालाबाद पुलिस उनके चंडीगढ़ सेक्टर 5 स्थित निवास स्थान पर पहुंची। गिरफ्तारी के बाद पुलिस उन्हें जलालाबाद लेकर पहुंची। मेडिकल के बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने विधायक खैहरा को दो दिन के लिए पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि 7 दिन के रिमांड की मांग की गई थी, लेकिन दो दिन का ही रिमांड मिला है। पुलिस को इस मामले में विधायक खैहरा से मोबाइल और कुछ सिम रिकवर करनी हैं। इस दौरान कांग्रेस वर्करों ने वहां नारेबाजी भी की। वहीं शाम तकरीबन 6 बजे कांग्रेस सीनियर लीडरशिप पंजाब के गवर्नर बनवारी लाल पुरोहित से मिलने पहुंच रही है।

केएस ऑयल के ठिकानों पर सीबीआई का छापा

मुरैना में संचालक गर्ग के दफ्तर, घर व गोदाम पर रेड, 2200 करोड़ का मामला

मुरैना, आरएनएन। मुरैना के प्रतिष्ठित केएस ऑयल लिमिटेड के संचालक रमेश चन्द्र गर्ग के दफ्तर, घर व गोदाम एवं अन्य ठिकानों पर एक साथ सीबीआई टीम ने

कार्रवाई की है। केएस ऑयल मिल पर दो दर्जन से अधिक अधिकारियों ने पुलिस बल के साथ छापा मारा है। जिसमें अधिकारियों द्वारा केएस ऑयल लिमिटेड के सभी ठिकानों पर पहुंचकर फर्म के चेयरमैन रमेशचंद्र गर्ग से पूछताछ की और कागजों की जांच की गई। सीबीआई की कार्रवाई के दौरान पुलिस का सख्त पहरा लगा दिया गया था।

दो बार पहले भी हो चुकी है कार्रवाई

केएस ग्रुप पर दो बार एडी और इनकम टैक्स की कार्रवाई की जा चुकी है जिसमें बैंक के करोड़ों रूपए लेनदेन का मामला सामने आया था। जब ईडी टीम द्वारा केएस ग्रुप के संचालक रमेश गर्ग को पूछताछ के लिए अपने साथ लेकर जाना चाह रही थी कि तभी उन्होंने बीमारी का बहाना करके कल्याण हॉस्पीटल में खुद को भर्ती करवा दिया था। करीब 2200 करोड़ बैंक को वापस करने की बात पर सहमति जताई गई थी। लेकिन उक्त राशि का कुछ हिस्सा अभी तक केएस ग्रुप के संचालक द्वारा जमा नहीं कराया गया जिस कारण वर्तमान में यह सीबीआई द्वारा यह कार्यवाही की गई।

ओडिशा में भाजपा विधायकों ने अध्यक्ष पर फेंकी दाल

भुवनेश्वर, आरएनएन। ओडिशा में विधानसभा अध्यक्ष के आसन पर दाल फेंकने का मामला सामने आया है। इस आरोप में भाजपा के दो विधायकों मोहन मांझी और मुकेश महालिंग को निलंबित कर दिया गया है। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष प्रमिला मलिक ने उन दोनों विधायकों को मौजूदा सत्र के अंत तक निलंबित कर दिया है। मोहन माझी विधानसभा में विपक्ष के मुख्य सचेतक हैं।

दोनों को किया निलंबित

भाजपा सदस्यों ने पहले सदन के बीच में हंगामा किया। इसके बाद पॉलीथीन में लाई गई दाल दिखाई और उसे पोडियम पर फेंक दिया। दोनों विधायकों के निलंबन पर प्रतिक्रिया देते हुए विधानसभा अध्यक्ष प्रमिला मलिक ने कहा, दोनों के व्यवहार से नाराज होकर सदन ने यह फैसला किया है। इन्हे संविधान के अनुसार और सभा की राय पर निलंबित किया गया है। उधर, भाजपा विधायक मोहन मांझी ने कहा कि उन्हें बिना किसी गलती के निलंबित किया गया है।

नया कानून — प्रस्तावित कानून में नियमों के उल्लंघन पर 500 करोड़ तक की पेनाल्टी का प्रावधान

आईटी मंत्रालय जल्द लाएगा डिजिटल इंडिया बिल का मसौदा

● नई दिल्ली / आरएनएन

देश में बढ़ते साइबर अपराधों पर नकेल कसने और इंटरनेट और आईटी सेक्टर को सख्ती से रेगुलेट करने के लिए तैयार नए डिजिटल इंडिया बिल का मसौदा इलेक्ट्रॉनिक्स एंड आईटी मिनिस्ट्री जल्द ही पब्लिक कंसल्टेशन के लिए सार्वजनिक करेगी। खबरों के मुताबिक नए प्रस्तावित कानून में नियमों के उल्लंघन पर 500 करोड़ रुपये तक की पेनाल्टी का प्रावधान शामिल किया जा सकता है।

भारत को 2025-26 तक एक डिजिटल राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के तहत डिजिटल सिटीजन्स के लिए ओपन इंटरनेट और ऑनलाइन सेफ्टी पर जोर होगा। अब देश में 23 साल पुराने इनफार्मेशन टेक्नालॉजी एक्ट-2000 की जगह साइबर अपराधों से सख्ती से निपटने और इंटरनेट और डिजिटल प्लेटफॉर्मो को रेगुलेट करने के लिए सरकार जल्दी ही प्रस्तावित डिजिटल इंडिया बिल के स्वरूप को सार्वजनिक करने की तैयारी कर रही है। सूत्रों के मुताबिक साल 2000 में जब आईटी एक्ट बना, उस समय देश में 55-लाख इंटरनेट यूजर थे। आज इनकी संख्या बढ़कर 85 करोड़ से ज्यादा हो गई है।

लगातार बढ़ रहे हैं साइबर क्राइम

देश में साइबर अपराध की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। आईटी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने नौ अगस्त को संसद में दिए एक लिखित जवाब में खुलासा किया कि 2019 में देश में 44,735 साइबर अपराध के मामले दर्ज किए गए थे। साल 2020 में साइबर अपराध के मामले बढ़कर 50,035 पहुंच गए। एक साल बाद 2021 में यह और बढ़कर 52,974 तक पहुंच गए।

आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस का दुरुपयोग रोकना भी जरूरी

जानकारों के मुताबिक प्रस्तावित बिल में आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस जैसी नई टेक्नोलॉजी के दुरुपयोग को रोकने के लिए भी प्रावधान शामिल करना जरूरी होगा। साइबर अपराध के मामलों को निपटने के लिए देश में नया फास्ट ट्रैक कोर्ट सेटअप होना चाहिए। लोगों का न्याय व्यवस्था में विश्वास मजबूत करने के लिए फास्ट ट्रैक एडजुकेशन प्रक्रिया जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2025-26 तक भारत को एक ट्रिलियन डॉलर की डिजिटल इकॉनामी बनाने का लक्ष्य तय किया है। यह बिल इस लक्ष्य को ध्यान में रखकर तैयार किय गया है।

श्रृंगार गौरी की नियमित पूजा पर कोर्ट ने फैसला टाला

वजूखाने में मिली शिवलिंग जैसी आकृति पर भी आदेश नहीं, साक्ष्यों को डीएम संरक्षित करेंगे

वाराणसी, आरएनएन। वाराणसी कोर्ट ने गुरुवार 28 सितंबर को ज्ञानवापी में मां श्रृंगार की नियमित पूजा का फैसला टाल दिया है। इसके अलावा वजूखाने में मिली शिवलिंगनुमा आकृति पर भी कोई आदेश नहीं दिया है। ये दूसरी बार है, जब इन दोनों मसले पर फैसला आगे बढ़ाया है। इससे पहले 25 सितंबर को कोर्ट को फैसला सुनाना था, लेकिन 28 सितंबर को फैसला सुनाने की तारीख तय की थी। अब दोनों मसले पर 5 अक्टूबर को कोर्ट फैसला सुनाएगा।

इसके अलावा कोर्ट ने 2 अन्य याचिका पर फैसला सुनाया। कोर्ट ने आदेश दिया कि सर्वे में मिलीं वस्तुओं और ऐतिहासिक साक्ष्यों को डीएम के पास सूचीबद्ध किया जाए। कोर्ट को भी एक कॉपी दी जाए। डीएम समय पर इसे कोर्ट में पेश करेंगे। इस दौरान हिंदू पक्ष की तरफ से दलील दी गई कि ज्ञानवापी परिसर में रहने वाले प्रतिवादी अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी के लोग उसको नुकसान पहुंचा सकते हैं।

चिंतन

भारतीय कृषि को एक और क्रांति की जरूरत

भारत के महान अनुवांशिक वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन के निधन से कृषि अनुसंधान और शिक्षा के एक युग का अंत हो गया है। आजादी के वक्त अनाज संकट के दौर से गुजर रहे भारत को महज 25 वर्ष में खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने में अहम किरदार निभाने वाले हरित क्रांति के जनक वैज्ञानिक स्वामीनाथन देशवासियों के दिलों में हमेशा जिंदा रहेंगे। उन्होंने हरित क्रांति के जरिये देश में कृषि क्षेत्र में नवाचार की ऐसी नींव रखी कि आज भारत न केवल खाद्यान्न के बफर स्टॉक के साथ उत्पादन में आत्मनिर्भर है, बल्कि वह पचास से अधिक देशों को निर्यात भी कर रहा है। आजाद भारत में पहली कृषि क्रांति लाने वाले स्वामीनाथन के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। अनुवांशिकी विशेषज्ञ और अंतर्राष्ट्रीय प्रशासक स्वामीनाथन के प्रयत्नों का परिणाम यह है कि भारत में खाद्यान्नों के उत्पादन में निरंतर वृद्धि होती रही है। अनेक पुरस्कारों से सम्मानित स्वामीनाथन ने कृषि मंत्रालय में प्रधान सचिव (1979-80), योजना आयोग (1980-82) में कार्यवाहक उपाध्यक्ष और बाद में सदस्य (विज्ञान और कृषि) और फिलीपीन के अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान में महानिदेशक (1982-88) पद पर भी अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने 2010 से 2013 तक खाद्य सुरक्षा पर विश्व समिति के लिए उच्च स्तरीय विशेषज्ञ पैनल की अध्यक्षता भी की। उन्होंने कृषि के क्षेत्र में अफगानिस्तान और म्यांमा में चलायी जा रही परियोजनाओं पर नजर रखने के लिए विदेश मंत्रालय द्वारा गठित कार्यबल की भी अध्यक्षता की। आज जब स्वामीनाथन हमारे बीच नहीं हैं, तो उनके उत्तराधिकारियों का फर्ज है कि वे भारतीय कृषि व अनुसंधान में नव प्रयोग के सिलसिले को थमने ना दें। आज भारत कृषि क्षेत्र में काफी अच्छी स्थिति में है। गन्ना, बाजरा, जूट, अरंडी, आम, केला, अंगूर, कसाबा, मटर, अदरक, पपीता और दूध उत्पादन में पहले स्थान पर है, तो गेहूं, चावल, फल और सब्जियाँ, चाय, आलू, प्याज, लहसुन, चावल, बिनौला उत्पादन में दूसरे व उर्वरक उत्पादन में तीसरे स्थान पर है। भारत का कृषि निर्यात 50 अरब डॉलर की ऐतिहासिक उंचाई पर पहुंच गया है। इसके बावजूद भारत स्वामीनाथन का कृषि को लाभकारी बनाने का सपना पूरा नहीं कर सकता है। देश की कृषि अच्छी होने के बावजूद किसानों की स्थिति में गुणात्मक सुधार नहीं आया है। खुद मोदी सरकार ने 2014 में सत्ता में आते वक्त वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य रखा था, आज देश वर्ष 2023 में है, लेकिन दोगुनी आय का लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सका है। सरकार की ओर से किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, भावांतर योजना, मंडी सुधार योजना जैसे अनेक प्रयास किए गए हैं, इसके बावजूद किसानों की दशा नहीं सुधरी है। किसान कर्ज में डूबे हुए हैं। विदर्भ, पंजाब, आंध्र प्रदेश आदि क्षेत्रों से किसान आत्महत्या की खबरें आती हैं। कृषि जीडीपी में अपेक्षित सुधार नहीं हो रहा है। कृषि क्षेत्र में भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने की क्षमता है, बस इस क्षेत्र में सरकार को ईमानदारी से नीतियां लागू करने की आवश्यकता है। अभी किसान पूंजी, कर्ज, सिंचाई की कमियों, एमएसपी की पहुंच में कमी, मंडी में बिचौलियों का दबदबा, भंडारण की दिक्कत आदि से कृषि क्षेत्र दोचार हैं। हरित क्रांति से सीखते हुए आज 21वीं सदी में हमारी कृषि को एक और क्रांति की जरूरत है। सही मायने यही एमएस स्वामीनाथन को राष्ट्र की सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

स्मृति शेष

शंभू भद्र

स्वामीनाथन ने 1960 के दशक में भारत में अकाल जैसी परिस्थितियों में कृषि क्षेत्र में हरित क्रांति लाने के लिए किसानों व सरकार की नीतियों के साथ नॉरमोन बोरलॉग के साथ मिलकर कृषि वाचार हेतु काम किया। बंगाल में अकाल व भारतीय उपमहाद्वीप में अनाज की कमी को देखते हुए स्वामी ने आईपीएस की नौकरी को छोड़कर कृषि क्षेत्र को अपना जीवन समर्पित किया। आधुनिक भारतीय कृषि के 'आधारपुरुष' स्वामीनाथन को ही कृषि क्षेत्र में कायापलट लाने वाली संकर क्रांति का श्रेय जाता है। कृषि में एमएस स्वामीनाथन के अभूतपूर्व योगदान ने लाखों लोगों के जीवन को बदल दिया और राष्ट्र के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की। वे सदैव प्रेरणा देते रहेंगे।

कृषि पुनर्जागरण के 'स्वामी'

भारत अगर खाद्यान्न उत्पादन में आज न केवल आत्मनिर्भर है, बल्कि निर्यातक भी है, तो इसके पीछे जिस वैज्ञानिक शख्सियत की सोच थी, वह कोई और नहीं, मनकोम्बु संबासिवन स्वामीनाथन (एमएस स्वामीनाथन) थे। 98 वर्ष की आयु में उनका निधन भारतीय कृषि क्षेत्र की अपूरणीय क्षति है। प्रतिष्ठित आनुवांशिक वैज्ञानिक स्वामीनाथन को भारत की सफल हरित क्रांति का जनक माना जाता है। उन्होंने 1966 में मैक्सिको के बीजों को पंजाब की घरेलू किस्मों के साथ मिश्रित करके उच्च उत्पादकता वाले गेहूं के संकर बीज विकसित किए थे। स्वामीनाथन ने 1960 के दशक में भारत में अकाल जैसी परिस्थितियों में कृषि क्षेत्र में हरित क्रांति लाने के लिए किसानों व सरकार की नीतियों के साथ नॉरमोन बोरलॉग के साथ मिलकर काम किया। उन्होंने उच्च उपज वाली संकर बीज, मशनीकृत कृषि उपकरण, नई हार्वेस्टिंग तकनीक, नई सिंचाई प्रणाली, उच्चगुणवत्ता के उवर्रक के प्रयोग जैसे नवाचार से भारतीय कृषि की तस्वीर बदल दी। आज भारत अगर करीब पांच लाख टन अनाज के बफर स्टॉक पर बैठा है तो, इसके पीछे स्वामीनाथन जैसे कृषि वैज्ञानिकों व प्रगतिशील किसानों का अथक परिश्रम है। बंगाल में अकाल व भारतीय उपमहाद्वीप में अनाज की कमी को देखते हुए स्वामी ने आईपीएस की नौकरी को छोड़कर कृषि क्षेत्र को अपना जीवन समर्पित किया। आधुनिक भारतीय कृषि के 'आधारपुरुष' स्वामीनाथन को ही कृषि क्षेत्र में कायापलट लाने वाली संकर क्रांति का श्रेय जाता है।

भारत की हरित क्रांति की यात्रा काफी लंबी है, कभी सोने की चिड़िया कहे जाने वाले भारत को विदेशी आक्रांताओं के अनेकानेक जुल्म ओ सितम सहना पड़ा है। भारतीय कृषि क्षेत्र भी इससे अधूरा नहीं है। आजादी के बाद देश जब अपनी विकास यात्रा शुरू कर रहा था, तो सबसे बड़ा संकट उस समय के हिसाब से करीब 32 करोड़ की आबादी का पेट भरना था। ब्रिटिश हुकूमत ने भारतीय कृषि की रीढ़ तोड़ दी थी, देश की ऐसी हालत थी कि वह अपनी जनता का पेट भरने लायक अनाज का भी उत्पादन नहीं कर पा रहा था। भारत के संबंध में यह धारणा बन चुकी थी कि कृषि से जुड़े होने के बावजूद भारत के लिए भुखमरी से निजात पाना कठिन है। एमएस स्वामीनाथन ही वे पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने सबसे पहले गेहूं की एक बेहतरीन किस्म को पहचाना और स्वीकार किया। यह मैक्सिकन गेहूं की एक किस्म थी, जिसे स्वामीनाथन ने भारतीय खाद्यान्न की कमी दूर करने के लिए सबसे पहले अपनाने के लिए स्वीकार किया। स्वामीनाथन के प्रयत्नों का परिणाम यह है कि भारत की आबादी में प्रतिवर्ष पूरा एक ऑस्ट्रेलिया समा जाने के बाद भी खाद्यान्नों के मामले में वह आत्मनिर्भर बन चुका है। 'हरित क्रांति' कार्यक्रम के तहत ज़्यादा उपज देने वाले गेहूं और चावल के बीज ग़रीब किसानों के खेतों में लगाए गए थे। इस क्रांति ने भारत को दुनिया में खाद्यान्न की सर्वाधिक कमी वाले देश के कलंक से उबारकर 25 वर्ष से कम समय में आत्मनिर्भर बना दिया था। उस समय से भारत के कृषि पुनर्जागरण ने स्वामीनाथन को 'कृषि

क्रांति आंदोलन' के वैज्ञानिक नेता के रूप में ख्याति दिलाई। उनके द्वारा सदाबहार क्रांति की ओर उन्मुख अवलंबनीय कृषि की वकालत ने उन्हें अवलंबनीय खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में विश्व नेता का दर्जा दिलाया।

एमएस स्वामीनाथन को 'विज्ञान एवं अभियांत्रिकी' के क्षेत्र में 'भारत सरकार' द्वारा 1967 में 'पद्म श्री', 1972 में 'पद्म भूषण' और 1989 में 'पद्म विभूषण' से सम्मानित किया गया था। लंदन की रॉयल सोसायटी सहित विश्व की 14 प्रमुख विज्ञान परिषदों ने स्वामीनाथन को अपना मानद सदस्य चुना। इसके अलावा, वे सामुदायिक नेतृत्व के लिए 'मैग्सेसे पुरस्कार', 'अल्बर्ट आइंस्टीन वर्ल्ड साइंस पुरस्कार', पहला 'विश्व खाद्य पुरस्कार', अमेरिका में 'टाइलर पुरस्कार', पर्यावरण तकनीक के लिए जापान का 'होंडा पुरस्कार', फ्रांस का 'ऑर्डर दु मेरिट एग्रीकोल' (कृषि में योग्यताक्रम), मिसूरी बॉटेनिकल गार्डन (अमेरिका) का 'हेनरी शॉ पदक', 'वॉल्वो इंटरनेशनल एंवायरमेंट पुरस्कार', 'यूनेस्को गांधी स्वर्ग पदक' से सम्मानित हो चुके हैं।

विभिन्न पुरस्कारों और सम्मानों के साथ प्राप्त धनराशि से स्वामीनाथन ने वर्ष 1990 के दशक के आरंभिक वर्षों में 'अवलंबनीय कृषि तथा ग्रामीण विकास' के लिए चेन्नई में एक शोध केंद्र की स्थापना की। 'एमएस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन' का मुख्य उदेश्य भारतीय गांवों में प्रकृति तथा महिलाओं के अनुकूल प्रौद्योगिकी के विकास और प्रसार पर आधारित रोजग़ार उपलब्ध कराने वाली आर्थिक विकास की रणनीति को बढ़ावा देना है। फ़ाउंडेशन में स्वामीनाथन और उनके सहयोगियों द्वारा पर्यावरण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में किए जा रहे कार्य को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिली। स्वामीनाथन दक्षिण एशिया के उत्तरदायित्व के साथ पर्यावरण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में यूनेस्को में भी पदासीन रहे। उनकी महान विद्वत्ता को स्वीकरते हुए इंग्लैंड की रॉयल सोसाइटी और बांग्लादेश, चीन, इटली, स्वीडन, अमेरिका तथा रूस (तत्कालीन सोवियत संघ) की राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों में उन्हें शामिल किया गया। वह 'वर्ल्ड एकेडमी ऑफ साइंसेज़' के संस्थापक सदस्यों में से एक रहे। 1999 में टाइम पत्रिका ने स्वामीनाथन को 20वीं सदी के 20 सबसे प्रभावशाली एशियाई व्यक्तियों में से एक बताया था। स्वामीनाथन को संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम द्वारा हरित क्रांति में उनके नेतृत्व को रेखांकित करते हुए उन्हें 'आर्थिक पारिस्थितिकी का जनक' बताया गया है। वह 2007 से 2013 तक राज्यसभा सदस्य भी रहे। स्वामीनाथन का जीवन उपलब्धियों से भरा पड़ा है। उन्होंने 70 के दशक के मध्य तक भारत को चावल और गेहूं में आत्मनिर्भर बना दिया था। उन्हें दुनियाभर के विश्वविद्यालयों से डॉक्टरेट की 84 मानद डिग्री प्राप्त हुई थीं। उनकी एक बेटी डॉ. सौम्या स्वामीनाथन विश्व स्वास्थ्य संगठन की पूर्व मुख्य वैज्ञानिक हैं। स्वामीनाथन के निधन से कृषि अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार के एक ऐसे युग का अंत हो गया जो आसान नवाचार से भरा हुआ था। कृषि में नाथन के अभूतपूर्व योगदान ने लाखों लोगों के जीवन को बदल दिया और राष्ट्र के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की। संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव जेवियर पेरेज डी सुइलर ने उन्हें ''ऐसी किवदंती बताया जिनका नाम दुर्लभ विशिष्टता वाले विश्व विख्यात वैज्ञानिक के रूप में इतिहास में दर्ज होगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक स्वामीनाथन खाद्य सुरक्षा और कृषि से जुड़ी हर अहम पहल का हिस्सा थे और उन्होंने पोषण सुरक्षा के लिए मोटे अनाज पर ध्यान केंद्रित करने में भी अहम योगदान दिया भारत को प्रगति करते देखने का उनका जुनून अनुकरणीय था। उनका जीवन और कार्य आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेंगे। उन्होंने अपने पीछे एक समृद्ध विरासत छोड़ी है जो दुनिया को मानवता के लिए एक सुरक्षित और भूख-मुक्त भविष्य की ओर ले जाने में मार्गदर्शक के रूप में काम करेगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मुद्दा

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी

मानवाधिकारों का दिल्ली घोषणा-पत्र से नई उम्मीदें

देश की राजधानी दिल्ली में राष्ट्रीय मानव अधिकारों के प्रशांत मंच ने दिल्ली घोषणा-पत्र जारी किया है, जिसमें एशिया के अनेक देश एकत्रित थे। इस महाकुम्भ में मानव अधिकारों के लिए अनेक धारणाओं को विशेषज्ञों ने व्यापक सुझाव, वैचारिक सहमति और निष्पादन के लिए एकजुटता पर बल दिया। फोरम के बैनर तले यह कहा गया कि हम, राष्ट्रीय मानवाधिकार के एशिया प्रशांत फोरम (एपीएफ) के सदस्य हैं। हम पन्द्रह सूत्रीय प्रतिबद्धताओं के साथ एशिया में मानव अधिकारों की सुरक्षा, संवर्धन और गरिमा की स्थापनाओं के लिए एकीकृत भाव से अपने दायित्वों का निर्वाह करेंगे। विज्ञान भवन में एकत्रित मानवाधिकारवादियों ने सार्वभौमिक मूल्यों की स्थापनाओं में अपनी प्रतिबद्धता दर्ज़ की जिसके मूल में मनुष्य हैं, प्रकृति है, पर्यावरण हैं, जलवायु हैं, गरीबी पर अंकुश है, और दूसरी वे सारी मानव जनित समस्याएं हैं, जिससे पूरी दुनिया आज तबाही और बर्बादी के मोहाने पर कड़ी दिख रही है।

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की मेजबानी में यह महासम्मेलन ठीक जी-20 के बाद हुआ और संयुक्त राष्ट्र महासभा अधिवेशन के साथ हुआ है, तो इसका बहुत अधिक महत्त्व है। इसमें जो लोग इसके साक्षी बने वे अपने-अपने देश, संस्था के गणमान्य हैं और अपनी एक अहमियत भी रखते हैं। वर्ष 2023 पेरिस सिद्धांतों को अपनाने की 30वीं वर्षगांठ है। आज दुनिया भर में स्वतंत्र और प्रभावी एनएचआरआई अपने होने का एहसास कराना चाहते हैं। यह ओएचसीएचआर और एनएचआरआई की स्थापना की 30वीं वर्षगांठ भी है। सब मिलाकर देखें तो यह सभी संस्थाएं लगभग एक साथ अपने अस्तित्व में आयीं और सबने अपने-अपने अनुसार कार्य किया यद्यपि सबकी भूमिका को देखा जाए तो, सब अलग-अलग अपना स्थान रखती हैं और सबका एक ही लक्ष्य है मानवाधिकारों का भरपूर संवर्धन हो। ओएचसीएचआर जिसके मार्गदर्शन में मानवाधिकारों की वैश्विक पहल होती है उसकी एक आनुषांगिक संस्था है एनएचआरआई, यह 1993 में ही दुनिया में अस्तित्व में आई। 1993 एनएचआरआई का शुरूआती समय था। आज इसकी संख्या बढ़कर 120 हो गयी है। आज ये विश्व में मानवाधिकारों की बेहतरी के लिए काम कर रही है। पीड़ितों के लिए न्याय और जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए एक शक्तिशाली मंच हैं जो मानवाधिकारों के उल्लंघन को समझते हुए कानूनों, नीतियों को क्रियान्वित करने में योगदान करके मानवाधिकारों को कायम रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

अब यदि दिल्ली घोषणा-पत्र के मूल सोपान को समझा जाए तो उसके लिए एक उत्कृष्ट कहा जा सकता है कि यह संवाद की लड़ीं थी जो लोगों के जीवन, आजीविका, गरिमा और न्याय से परिपूर्णता के लिए ही एक एकीकृत आवाज़ हैं। इसमें पर्यावरणीय चुनौतियों, कोविड-19 महामारी से उबर रहे लोग और उनकी चुनौतियों, पृथ्वी पर अशांति व युद्ध और संघर्ष की व्यथाओं, हिंसा और भेदभाव की जटिलताओं पर तत्काल सक्रिय कार्रवाई करना चाहती हैं। इसमें गैनहरी सुरक्षा के लिए साझा प्रतिबद्धता के महत्व को प्रदर्शित किया गया। एनएचआरआई की स्थापना और सुदृढ़ीकरण के माध्यम से मानवाधिकारों को बढ़ावा देना पेरिस सिद्धांतों के अनुरूप हो, इसपर बल दिया जाता है इसलिए विरासत को आत्मसात करने, अपनाने, वर्तमान मानवाधिकार चुनौतियों पर व्यक्तिगत व सामूहिक रूप से पड़ रहे प्रभावों पर खूब बातें हुईं। साथ ही इस पर सभी सहभागी लोग एकमत दिखे कि मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा को सशक्त हम कैसे बना सकते हैं, इस पर हमें गंभीर होना होगा। घोषणा-पत्र की व्यापकता के लिए प्रतिबद्ध मानवाधिकारवादियों ने मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा पत्र की 75वीं वर्षगांठ को मील का पत्थर हम कैसे बना सकते हैं, मानवाधिकारों की सार्वभौमिक मान्यता और परिपालन को विशेष रूप से रेखांकित कैसे कर सकते हैं, इस पर अपने जो मंतव्य रखे उससे यह तो दिखा कि सबको मानवाधिकारों की नितांत ज़रूरत है और सभी मनुष्यों का हित चाहते हैं लेकिन इसके लिए राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग, नई दिल्ली की मेजबानी की जो तारीफ़ हुई वह अद्वितीय थी, क्योंकि भारत आज़ादी की 75वीं वर्षगाँठ मनाकर पूरी पृथ्वी की शक्ति को एकजुट करने में लगा हुआ है, इस बीच मानव अधिकार आयोग ने न केवल समय को पहचाना बल्कि एशिया प्रशांत मंच के मानवाधिकारवादियों को इकट्ठाकर 15 सूत्रीय प्रतिबद्धताएं अमल में लाने का घोषणा-पत्र लाकर मनुष्य की चिंता को केंद्र में ला दिया है।

(लेखक वरिष्ठ शिक्षाविद हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मानव के लिए नैतिक मूल्यों का क्या महत्व है?

संकलित

दर्शन

नैतिक मूल्य मानव को परिपूर्णता प्रदान कर उसे ईश्वरीय रचनाओं में श्रेष्ठ बनाते हैं, परंतु आधुनिकता के नाम पर इन मूल्यों का निरंतर अवमूल्यन होता जा रहा है। बढ़ता भौतिकतावाद उन्हें लील रहा है। परिणामस्वरूप नैतिकता घुट-घुटकर ही सांस ले पा रही है। यह स्थिति तब है जब नैतिकता को मानव समाज के अभिन्न अंग के रूप में मान्यता मिली है। नैतिकता के अभाव में मनुष्यता का आकलन संभव ही नहीं। नैतिकता व्यक्ति के विकास में एक सीढ़ी के समान है, जिसके सहारे हम अपने जीवन में आगे बढ़ते हैं। नैतिक मूल्यों के अभाव में मनुष्य मानव जीवन को निर्थक बना देता है। प्रख्यात विचारक अल्बेयर कामू ने भी कहा है कि नैतिकता के बिना एक व्यक्ति इस दुनिया में किसी पशु के समान है। हम जीवन में महत्वपूर्ण निर्णय नैतिक कसौटी पर कसने के बाद ही करते हैं, लेकिन देखने में आता है कि कई बार मनुष्य उसे अनदेखा कर फैसला करता है, जो नैतिक पतन का कारण बनता है। स्मरण रहे कि ईश्वर ने हमें सिर्फ सुख भोगने के लिए ही इस संसार में नहीं भेजा है। इसीलिए केवल भौतिक सुखों के लिए नैतिकता का परित्याग करना उचित नहीं। इसका एक कारण यही है कि अब हमने अपने अंतःकरण की आवाज को अनसुना करना आरंभ कर दिया है। हमें यह पता होता है कि अमुक कार्य नैतिक रूप से सही नहीं, लेकिन सुख के लिए वह कार्य करने से संकोच नहीं करते। इसमें अक्सर दूसरे के हितों की बलि चढ़ जाती है।

गुरु नानक जी के आशीर्वाद का रहस्य

संकलित

प्रेरणा

एक बार गुरु नानक देव जी अपने शिष्यों के साथ एक ऐसे गांव में पहुंचे जहां के लोग साधु-संन्यासी लोगों को बिल्कुल भी पसंद नहीं करते थे। गुरु नानक जी वहां गए तो उनसे भी वहां के लोगों ने ऐसा ही व्यवहार किया। जब वो परेशान होकर उस गांव से जाने लगे तो गांव के लोगों ने कहा कि, महात्माजी कुछ आशीर्वाद तो देते जाइए। गुरु नानक थोड़ी देर तक हंसते रहे फिर बोले, खूब आबाद रहो। इसके बाद वो आगे बढ़ गए। इस बीच कुछ गांव के लोग भागते हुए वहां पहुंचे। सभी उनकी सेवा करने लगे। उन्होंने फिर से गुरुनानक जी से आशीर्वाद मांगा। तब उन्होंने कहाः सभी उजड़ जाओ। गुरु नानक के ऐसे अटपटे आशीर्वाद से परेशान होकर एक व्यक्ति ने उनसे पूछाः महात्मा जी! जिन लोगों ने अतिथि धर्म का तिरस्कार किया उन्हें आपने आबाद रहने का और जो लोग आपकी सेवा में आए उन्हें उजड़ने का आशीर्वाद क्यों दिया। गुरु नानक जी ने उस व्यक्ति से कहा किः सज्जन व्यक्ति जहां जाता है वो वहां अपनी अच्छाइयों को ले जाता है। यह दुर्जन से बेहतर होता है। इसलिए मैंने पहले जब वो दुर्जन थे तो उन्हें एक जगह आबाद रहने का आशीर्वाद दिया और जब वो सज्जन बन गए और मेरे पास आशीर्वाद लेने आए तो मैनें उन्हें उजड़ने यानी समाज में अच्छाई फैलाने का आशीर्वाद दिया।

गणेश विसर्जन

मुंबई में गुरुवार को गणेश चतुर्थी उत्सव के दौरान मूर्ति के विसर्जन से पहले एक जुलूस के दौरान भगवान गणेश की एक मूर्ति को एक संकरी गली से ले जाया जा रहा।

आज की पाती

आवश्यकता कम करने से भौतिक प्रतिस्पर्धा होगी कम

मनुष्य का जीवन पशु की तरह आहार और निद्रा तक ही सीमित नहीं है। विश्व का सर्वश्रेष्ठ प्राणी होने के नाते उसमें दया, प्रेम और सहानुभूति की भावना होती है। इन भावनों से ही मनुष्य और पशु में अंतर किया जा सकता है। आज मनुष्य में दया, प्रेम और सहानुभूति की भावना खत्म होती जा रही है। रास्ते पर हुए दुर्घटना को देखकर हम मुंह मोड़ कर चले जाते हैं। हममें दया और प्रेम की भावना खत्म होती जा रही है। शायद यह समय के साथ बढ़ती हिंसा और परिवार विघटन के कारण है। हमें शिक्षा भी ऐसी नहीं दी जाती है जिसमें मानव के प्रति प्रेम की भावना हो। आज बच्चों के हाथ में मोबाइल आने से हिंसक फिल्में और सीरियल उसे प्रेरित कर रहे हैं। समय रहते इस पर लगाम लगाना होगा।

- कांतिलाल मांडोत सूरत

ट्रेंड

आजादी के प्रतीक

भारत की स्वतंत्रता शहीद भगत सिंह का बलिदान और अटूट समर्पण पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। वे साहस के प्रतीक थे, वे हमेशा न्याय और स्वतंत्रता के लिए भारत की अथक लड़ाई का प्रतीक रहेंगे। जयंती पर स्मरण।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

गहरी संवेदना

श्री एमएस स्वामीनाथन के परिवार और प्रियजनों के प्रति गहरी संवेदना। भूख मुक्त भारत के लिए उनकी अनुकरणीय दृष्टि ने देश को महत्वपूर्ण समय में खाद्य सुरक्षा में महत्वपूर्ण अंतर को पाटने में मदद की।

-सदगुरु, आध्यात्मिक गुरु

हम मरणशील हो रहे

हे देवाधिदेव। उज्जैन में एक बिटिया के साथ जो दरिंदों ने किया और उसके बाद उसके दर्द व लज्जा के प्रति जो निष्ठुर सामाजिक उपेक्षा दिखाई दी उसके अपराध के लिए हम सबको क्षमा कर देना। समाज के तौर पर हम सब मरणशील हो रहे हैं।

-कुमार विश्वास, हिन्दी कवि

फर्जी वीडियो

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें वहीदा जी बगीचे में "आज फिर जीने की तमन्ना" पर नाच रही हैं। उनके परिवार ने मुझे सभी को सूचित करने को कहा है कि यह नकली वीडियो है। ठीक है दोस्तों? अब तुम्हें पता है!

-सिमी ग्रेवाल, अभिनेत्री

करंट अफेयर

किम का परमाणु हथियार उत्पादन बढ़ाने का आह्वान

उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने परमाणु हथियारों के उत्पादन में तेजी से वृद्धि करने और 'नए शीत युद्ध' में अमेरिका का सामना कर रहे देशों के गठबंधन में अपने देश के बड़ी भूमिका निभाने का आह्वान किया। सरकारी मीडिया ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने बताया कि किम ने देश की संसद के दो दिवसीय सत्र के दौरान ये टिप्पणियां कीं। संसद सत्र के दौरान देश के परमाणु हथियार कार्यक्रम का विस्तार करने की किम की नीति को शामिल करने के लिए संविधान में संशोधन किया गया। यह संसद सत्र तब आयोजित किया गया है जब किम ने इस महीने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करने तथा सैन्य एवं तकनीकी स्थलों का दौरा करने के लिए रूस के 'फार ईस्ट' क्षेत्र की यात्रा की। किम की टिप्पणियों पर केसीएनए की खबर तब आयी है जब एक दिन पहले उत्तर कोरिया ने जुलाई में भारी हथियारों से लैस अंतर-कोरियाई सीमा से देश में प्रवेश करने वाले अमेरिकी सैनिक ट्रैविस किंग को रिहा कर दिया। किंग को रिहा किए जाने से वे अटकलें खारिज हो गयी है कि उत्तर कोरिया, अमेरिका से छूट हासिल करने के लिए उसकी रिहाई में मोलभाव कर सकता है।

ऑफ बीट

चालक रहित कारें विकलांगों को प्रदान करेगी काफी राहत

आप चाहें या न चाहें, निकट भविष्य में हमारी सड़कों पर ड्राइवर रहित कारें दिखाई देने लगेंगी। सिद्धांत रूप में, पूरी तरह से स्वायत्त चालक रहित वाहन विकलांग लोगों को भारी लाभ प्रदान करेंगे। अक्सर, विकलांग लोगों को सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करते समय कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्हें अक्सर लिफ्ट के लिए दोस्तों और रिश्तेदारों पर निर्भर रहना पड़ता है या टैक्सियों पर अपने सीमित बजट का बहुत अधिक हिस्सा खर्च करना पड़ता है। ये सभी मुद्दे विकलांग व्यक्ति के खरीदारी करने, काम पर जाने, चिकित्सा कारणों से बाहर जाने, मेलजोल बढ़ाने या मनोरंजन स्थलों पर जाने के अधिकारों में हस्तक्षेप करते हैं। इसके अलावा, कुछ विकलांग लोगों को अनुकूलित वाहनों में भी गाड़ी चलाने की अनुमति नहीं है – उदाहरण के लिए, कुछ दृश्य विकार, हानि की डिग्री के आधार पर, इस श्रेणी में आ सकते हैं। बेशक, ड्राइवर रहित कारों के आगमन के साथ यह बदल सकता है, जिसका उपयोग कोई भी अपनी चिकित्सीय स्थिति की परवाह किए बिना कर सकता है। यूके में हजारों व्यक्तियों में ऐसी विकलांगताएं हैं जो उनकी गाड़ी चलाने की क्षमता में बाधा डालती हैं।

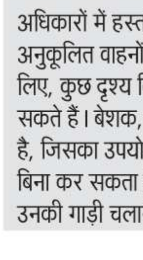

बना रिकॉर्ड

5 किलो का गणेश लड्डू 1 करोड़ 26 लाख रुपए में हुआ नीलाम

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

हैदराबाद के बंदलागुडा में इस बार गणेश लड्डू की नीलामी ने नया रिकॉर्ड बनाया है। इस बार यहां 5 किलो के गणेश लड्डू की नीलामी 1 करोड़ 26 लाख रुपए में हुई है। दरअसल, हैदराबाद के बंडलागुड़ा में पिछले 10 साल से विनायक महोत्सव का भव्य आयोजन होता आ रहा है। इस साल भी कीर्ति रिचमंड विला में गणेश महोत्सव समिति ने 11 दिनों तक भगवान गणेश की पूजा अर्चना की गई। इस दौरान यहां हर साल गणेश लड्डू की निलामी होती है। पिछले साल गणेश लड्डू की निलामी 60.48 लाख में हुई थी, लेकिन इस साल एक करोड़ 26 लाख यानि पिछले साल से दोगुने कीमत में गणेश लड्डू की नीलामी हुई। नीलामी की रकम समाज सेवा के कार्यों में किया जाएगा।

हैदराबाद के बंडलागुड़ा में 10 साल से विनायक महोत्सव का आयोजन हो रहा है। इस साल भी कीर्ति रिचमंड विला में गणेश महोत्सव समिति ने भगवान गणेश की पूजा अर्चना की

पूरे देश में रही गणेशोत्सव की धूम,नाच-गाने और गुलाल के साथ बप्पा का हुआ विसर्जन

राशि का उपयोग चैरिटी के कामों में होगा

गणेश लड्डू की नीलामी ने इस बार नया रिकॉर्ड बनाया है। नीलामी सनसिटी में रिचमंड विला सोसायटी में हुई। सोसायटी की महिलाओं का एक समूह मिठाई खरीदने के लिए एकत्र हुआ। आयोजकों ने कहा कि इस पैसे का इस्तेमाल चैरिटी कार्यों में किया जाएगा। इस बीच, प्रसिद्ध 21 किलोग्राम बालापुर गणेश लड्डू 27 लाख रुपए में नीलाम हुआ। तुर्कयमजल के दसारी दयानंद रेड्डी, जिन्होंने इस साल इसे खुली नीलामी में खरीदा था, अपनी जीत से खुश थे क्योंकि आखिरी बार वह मामूली अंतर से हार गए थे।

श्रद्धा के साथ देशभर में बप्पा को दी गई विदाई

हैदराबाद में सैकड़ों लोगों ने गणपति बप्पा मोरिया के जयकारे लगाए

मुंबई में लोगों ने अपने घरों की बालकनी से गणपति बप्पा के दर्शन किए

नागपुर में गणपति के कान में मनोकामना बोलते हुए भक्तगण

मुंबई में धूमधाम से बप्पा को किया विदा

इंफाल में हिंसक प्रदर्शन जारी, जांच के लिए पहुंची सीबीआई की टीम

मणिपुर में नहीं थमी हिंसा, डीसी दफ्तर में तोड़फोड़, दो वाहन फूंके

इंफाल के कुछ इलाकों में कर्फ्यू 65 से अधिक प्रदर्शनकारी घायल

एजेंसी ▶▶ इंफाल

मणिपुर में उरीपोक, यैसकुल, सगोलबंद और टेरा इलाकों में प्रदर्शनकारियों की सुरक्षाबलों से झड़प हुई जिसके कारण सुरक्षा बल को स्थिति पर काबू पाने के लिए आंसू गैस के कई गोले छोड़ने पड़े। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों को रिहायशी इलाकों में प्रवेश करने से रोकने के लिए टायर जलाकर सड़कों को अवरुद्ध कर दिया। उन्होंने बताया कि भीड़ ने उपायुक्त कार्यालय में तोड़फोड़ की और दो चार पहिया वाहनों को फूंक दिया। सीआरपीएफ के जवानों ने स्थिति को काबू में किया।

इंफाल ईस्ट और इंफाल वेस्ट जिलों में सुरक्षाबलों के हिंसक प्रदर्शनों से निपटने के बीच कर्फ्यू फिर से लगा दिया गया है। इन प्रदर्शनों में मंगलवार से लेकर अब तक 65 प्रदर्शनकारी घायल हो गए हैं। इस बीच, पुलिस ने बताया कि थौबल जिले के खोंगजाम में भाजपा कार्यालय में आग लगा दी । इसके अलावा मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के परिजनों का खाली पड़े आवास पर उपद्रवियों ने हमला करने की कोशिश की। मणिपुर पुलिस ने एक बयान में कहा कि भीड़ ने एक पुलिस वाहन को निशाना बनाया तथा उसमें आग लगा दी जबकि एक पुलिसकर्मी से मारपीट की और उसका हथियार छीन लिया। ऐसे अपराध में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। छीने गए हथियारों को बरामद करने और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तलाश अभियान चलाया गया है। सुरक्षाकर्मी लगातार शांति बहाली के प्रयास में हैं।

मणिपुर में दो छात्रों की मौत को लेकर गुरुवार सुबह भी हिंसक प्रदर्शन जारी रहा। इंफाल वेस्ट में एक उग्र भीड़ ने उपायुक्त (डीसी) कार्यालय में तोड़फोड़ की और दो वाहनों में आग लगा दी। इंफाल में छात्रों की अगुवाई में यह हिंसा मंगलवार को तब शुरू हुई जब जुलाई में लापता हुए एक लड़के और लड़की के शवों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं। इस बीच, छात्रों की मौत की जांच के लिए सीबीआई की टीम इंफाल पहुंच गई। वहीं, श्रीनगर के एसएसपी राकेश बलवाल को मोर्चा संभालने समय पूर्व इंफाल भेज दिया गया है।

अब तक 180 की मौत

हिंसा की घटनाओं में अब तक 180 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। मणिपुर की आबादी में मेइती समुदाय के लोगों की आबादी लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं। वहीं, नगा और कुकी आदिवासियों की आबादी करीब 40 प्रतिशत है और वे ज्यादातर पर्वतीय जिलों में रहते हैं।

आपत्तिजनक पोस्ट, डॉक्टर निलंबित

एक सरकारी डॉक्टर को सोशल मीडिया पर कथित तौर पर 'अनुचित टिप्पणी' करने को लेकर निलंबित कर दिया गया। जिस डॉक्टर को निलंबित किया गया है वह तामेंगलोंग जिले में चिकित्सा अधिकारी के पद पर तैनात थे। इसमें कहा गया है कि डॉक्टर को सोशल मीडिया पर अनुचित टिप्पणी पोस्ट करने, साझा करने के लिए तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया, जो एक सरकारी कर्मचारी के लिए अशोभनीय आचरण है। बुधवार को जारी अधिसूचना में कहा गया है कि वह सरकार से अनुमति प्राप्त किए बिना इंफाल स्थित मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे।

सीबीआई के विशेष निदेशक पहुंचे

छात्रों की हत्या की जांच में तेजी लाने के लिए विशेष निदेशक अजय भटनागर के नेतृत्व में सीबीआई की एक विशेष टीम इंफाल पहुंची। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। मणिपुर सरकार ने पहले कहा था कि दो युवा छात्रों की हत्या का मामला सीबीआई को सौंप दिया गया है।

श्रीनगर के एसएसपी राकेश संभालेंगे कमान

आतंकवाद संबंधी मामलों से निपटने में विशेषज्ञता हासिल करने वाले श्रीनगर के

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राकेश बलवाल को समय से पूर्व उनके मूल मणिपुर काडर में भेज दिया गया है, जहां फिर से भड़की हिंसा ने पहले से खराब हालात को और तनावपूर्ण बना दिया है। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 2012 बैच के अधिकारी बलवाल को मणिपुर में कार्यभार संभालने पर नया पद दिया जाएगा। मणिपुर में इस साल मई से बहुसंख्यक मेइती और आदिवासी कुकी समुदायों के बीच संघर्ष चल रहा है। बलवाल को दिसंबर 2021 में अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश (एजीएमयूटी) काडर में भेजा गया था। एक आधिकारिक आदेश में कहा गया है, मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश (एजीएमयूटी) काडर से आईपीएस राकेश बलवाल के समय से पहले उनके मूल काडर में तबादले के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

खबर संक्षेप

वीरेंद्र सहवाग के भाई पर प्रकरण दर्ज

चंडीगढ़। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग के भाई और दो साथियों के खिलाफ चंडीगढ़ पुलिस ने केस दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक, व्यापारी ने अपनी शिकायत में बताया है कि विनोद सहवाग और दो लोग पार्टनर हैं। इन्होंने व्यापारी से माल लिया, लेकिन चेक जो दिया गया था।

8वीं की छात्रा की हार्ट अटैक से मौत

सूरत। यहां के गोडादरा क्षेत्र के एक प्राइवेट स्कूल में कल कक्षा 8 में पढ़ने वाली 12 वर्षीय छात्रा क्लास में पढ़ाई के दौरान ही अचानक बेहोश हो गई और बैठे बैठे ही जमीन पर गिर गई। टीचर ने तुरंत प्रिंसिपल को सूचित किया और लड़की को इलाज के लिए ले जाया गया। लेकिन अस्पताल में इलाज मिलने के पहले ही उसकी मौत हो गई।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। ईद मिलाद-उन-नबी के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपती मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को मिलाद-उन-नबी की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि यह पर्व महत्वपूर्ण है। सभी को बधाई।

मुख्यमंत्री ने किया शिलान्यास, कहा-भावी पीढ़ी को सही इतिहास पढ़ाना है

▶▶ भोपाल

मप्र सरकार भावी पीढ़ी को सही इतिहास पढ़ाने लिए अब महाराणा प्रताप लोक बनाने जा रही है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरूवार को महाराणा प्रताप लोक का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि वीरता की प्रतिमूर्ति महाराणा प्रताप ने कष्ट सहकर राष्ट्रधर्म निभाने की प्रतिज्ञा ली। यह भावी पीढ़ियों को प्रेरित करने वाला है।

महाराणा प्रताप की जीवनी, राष्ट्र भक्ति, और उनके बलिदान को महाराणा प्रताप लोक के रूप में भावी पीढ़ी के सामने लाएंगे। इससे भावी पीढ़ी को सही प्रेरणा और दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री चौहान भोपाल के तात्या टोपे स्टेडियम के पास महाराणा प्रताप स्मारक के शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि स्वराज्य और राष्ट्र धर्म की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर महाराणा प्रताप ने किया था।

भोपाल में महाराणा प्रताप लोक, छतरपुर में महाराज छत्रसाल का 'भव्य स्मारक' बनेगा

मुख्यमंत्री के जनमानस से जुड़े रहने के भाव और दूरदर्शिता का यह परिणाम

केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि महाराणा प्रताप स्मारक मुख्यमंत्री चौहान के जनमानस से जुड़े रहने के भाव और दूरदर्शिता का परिणाम है। महाराणा प्रताप की जीवन और गुणों से प्रेरणा लेकर भारत दुनिया का नेतृत्व करने वाला राष्ट्र बनेगा। मुख्यमंत्री चौहान ने महाकाल लोक, एकात्म धाम, रामराजा लोक, सलकनपुर देवी लोक आदि स्थापित करने का संकल्प लेकर राज्य में सांस्कृतिक अभ्युदय किया है। इस कारण मप्र की प्रतिष्ठा पूरे देश में बढ़ रही है।

संरचना कुंभलगढ़ दुर्ग से प्रेरित होगी

महाराणा प्रताप स्मारक की संरचना में कुंभलगढ़ दुर्ग से प्रेरित होगी। महाराणा प्रताप की 20 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की जाएगी। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के साथ ही मेवाड़ वंश के गौरव बप्पा रावल, खुमाण प्रथम, महाराणा हम्मीर, महाराणा कुंभा, महाराणा सांगा एवं उदयसिंह के जीवन चरित्र की प्रदर्शनी दर्शाई जाएगी। महाराणा की जीवनी पर 20 मिनट की फिल्म के प्रदर्शन के लिए इंटरप्रिटेशन सेंटर बनाया जाएगा। मेवाड़ एवं महाराणा प्रताप के जीवन की घटनाओं और कलाकृतियों को प्रदर्शित करने वाली गैलरी बनाई जाएगी।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने दिया जांच का आदेश

संसद की विशेषाधिकार कमेटी करेगी रमेश बिधूड़ी और दानिश अली मामले की जांच

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

चंद्रयान-3 की सफलता मसले पर लोकसभा में चर्चा के दौरान 21 सितंबर को रमेश बिधूड़ी ने दानिश अली के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था। इसकी चौतरफा आलोचना हुई थी। साथ ही बिधूड़ी की विवादित टिप्पणी को लेकर बिरला को पत्र लिखकर भाजपा सांसद के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सांसदों ने विशेषाधिकार समिति के पास भेजने की मांग उठाई।

दानिश अली के खिलाफ शिकायत

साथ ही भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और रवि किशन ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखा और दावा किया कि पहले दानिश अली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल किया था। उन्होंने भी इस मामले को विशेषाधिकार समिति के पास भेजने की मांग की। वहीं दूसरी तरफ इससे पहले लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, सहित कई विपक्षी नेताओं ने एकजुटता दिखाई थी।

निशिकांत दुबे ने क्या कहा?

भाजपा के निशिकांत दुबे ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, लोकसभा अध्यक्ष का आभार। उन्होंने दानिश अली प्रकरण में सचिवालय की कमेटी को जांच का जिम्मा सौंपा। यह संभव हो पाया क्योंकि लोकसभा में भाजपा का बहुमत है। उन्होंने आगे कहा, पहले लोकसभा ने 2006 में आरजेडी,जेडीयू और कांग्रेस का जूता व माईक मारपीट, 2012 में सोनिया गांधी की मारपीट व 2014 में तेलंगाना बनने के समय फैटा फाईट व सांसद को घायल देखा, ना कमेटी बनी ना सजा हुई।

एशिया के सबसे बड़े फर्नीचर मार्केट पहुंचे राहुल गांधी

कभी आरी चलाई तो कभी रंदा खींचा और कारीगरों से की गुफ्तगू

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी गुरुवार को दिल्ली के कीर्तिनगर स्थित फर्नीचर मार्केट पहुंचे और वहां कारीगरों से मुलाकात की। इसको लेकर उन्होंने एक्स पर जानकारी देते हुए लिखा, एशिया के सबसे बड़े फर्नीचर मार्केट जाकर आज बढ़ई भाइयों से मुलाकात की। ये मेहनती होने के साथ ही कमाल के कलाकार भी हैं। मजबूती और खुबसूरती तराशने में माहिर। काफी बातें हुईं, थोड़ा उनके हुनर को जाना और थोड़ा सीखने की कोशिश की।

ट्रक में की यात्रा

इससे पहले राहुल गांधी दिल्ली से चंडीगढ़ की यात्रा के दौरान ट्रक में यात्रा करते नजर आए थे। राहुल गांधी ने ट्रक ड्राइवरों से कई मामलों पर बात की।

पुरानी दिल्ली जाकर चाट-पकौड़ी खाई

राहुल इस तरह अचानक पुरानी दिल्ली इलाके में भी गए थे। जहां पर वो आम लोगों से मिले थे और चाट-पकौड़ी खाई थी। देखा गया है कि भारत जोड़ों यात्रा के बाद भी राहुल जन-सामान्य से मिलकर उनके मन की बात जान रहे हैं।

इससे पहले कुलियों से मिले

इससे पहले राहुल गांधी बीते हफ्ते 21 सितंबर को दिल्ली के आनंद विहार रेलवे स्टेशन पहुंचे थे और वहां कुलियों से मुलाकात की थी। उन्होंने कुलियों से बात की और उनकी परेशानियों को सुना था। इस दौरान राहुल ने कुली की ड्रेस पहनकर यात्रियों का सामान भी उठाया था।

मोटरसाइकिल मैकेनिकों से की थी मुलाकात

27 जून को करोल बाग भी पहुंचे थे और वहां मोटरसाइकिल मैकेनिकों से मुलाकात की थी। तब उन्होंने फेसबुक पर मैकेनिकों के साथ अपनी बातचीत की तस्वीरें पोस्ट कीं थी और लिखा- उन हाथों से सीखना जो रिंच घुमाते हैं और भारत के पहियों को गतिमान रखते हैं।

रामलला के दर्शन के बाद भारत जोड़ो यात्रा पर राहुल?

अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण कार्य जारी है। कहा जा रहा है कि राम मंदिर का उद्घघाटन पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा जनवरी के अंत में किया जा सकता है। इसी बीच भाजपा के विपक्षी खेमे से भी एक बड़ी खबर आ रही है। सुगबुगाहट है कि कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और वायनाड के राहुल गांधी अपनी भारत जोड़ो यात्रा 2.0 का आगाज अयोध्या से कर सकते हैं। खबरों के मुताबिक कहा गया है कि इसकी संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। इस बात की अटकलें इसलिए भी जोरों पर हैं क्योंकि राहुल गांधी की चीफ एडवाइजर और राजीव गांधी फाउंडेशन के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर ने रामनगरी का कुछ ही दिनों पहले दौरा किया था। राहुल गांधी की भारत जोड़ो के बाद अब लोकसभा चुनाव से ठीक पहले यात्रा के दूसरे दौर को लेकर अलग-अलग कयास लगाए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की कल बिलासपुर में आमसभा

▶▶ रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 सितंबर को बिलासपुर में भाजपा की परिवर्तन यात्रा का समापन करने के बाद साइंस कॉलेज मैदान पर आमसभा लेंगे। इस सभा में प्रदेश के कई नेता भी शिरकत करेंगे। प्रधानमंत्री करीब डेढ़ घंटे तक बिलासपुर में रहेंगे।

- भाजपा की परिवर्तन यात्रा का होगा समापन, करीब डेढ़ घंटे रहेंगे प्रधानमंत्री

बिलासपुर की सभा के बाद तीन अक्टूबर को बस्तर में भी आमसभा होगी। दोनों सभाओं की तैयारियों को लेकर ही कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने गुरुवार को बैठक भी ली है। राष्ट्रीय नेताओं ने सभा के लिए निर्देश भी दिए हैं।

एक लाख की भीड़ जुटाने का लक्ष्य

साइंस कॉलेज मैदान बिलासपुर में होने वाली आमसभा को लेकर भाजपा ने पूरी तैयारी की है। इस सभा के लिए एक लाख से ज्यादा की भीड़ जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। सभा के लिए सरगुजा और बिलासपुर संभाग के जिलों से ही ज्यादा भीड़ जुटाई जाएगी। इसी के साथ सभा में इन संभागों के बड़े नेता भी शामिल होंगे। सभा के लिए प्रधानमंत्री का दोपहर को करीब 2.10 बजे आगमन होगा। सभा के बाद वे दोपहर को वापस 3.40 बजे लौट जाएंगे।

खाजूवाला को बीकानेर में मिलाने के मुद्दे पर किसानों को जयपुर में मंत्री ने लताड़ा

मंत्री गोविन्दराम बोले- बीजेपी को वोट दे देना, बात खत्म

चमकता राजस्थान, बीकानेर। राज्य सरकार के कैबिनेट मंत्री और कांग्रेस की चुनावी कैंपेन कमेटी के अध्यक्ष गोविंदराम मेघवाल ने गुरुवार को कहा कि किसान अगर मुझसे नाराज हैं तो भाजपा को वोट दे दें। मंत्री मेघवाल उस समय तैश में आ गए, जब उनके जयपुर स्थित सरकारी बंगले पर पहुंचे किसानों ने खाजूवाला-छत्तरगढ़ को फिर से बीकानेर में मिलाने के मुद्दे पर नाराजगी जताई। किसानों ने कहा कि साढ़े चार महीने से हम आंदोलन कर रहे हैं और सरकार सुन नहीं रही, इससे किसान नाराज हैं, तब मेघवाल ने कहा कि नाराज होकर चले जाओ और वोट बीजेपी को दे देना, बात खत्म। दरअसल, पिछले लंबे समय से खाजूवाला और छत्तरगढ़ में आंदोलन चल रहा है कि दोनों तहसीलों को अनूपगढ़ के बजाय वापस बीकानेर में मिलाया जाए। बीच में खुद गोविन्दराम ने आश्वासन दिया था कि मुख्यमंत्री इसकी घोषणा जल्दी कर देंगे। जिला बनाने वाली कमेटी के समन्वयक रामलुभाया से भी मुलाकात की गई है। तब उम्मीद थी कि जल्दी ही ये मांग पूरी हो जाएगी। किसानों ने एक महीने तक बंद बाजार को वापस खुलवा दिया लेकिन धरना जारी रखा। अब तक इस दिशा में कोई निर्णय नहीं होने से किसान और खाजूवाला क्षेत्र के लोग नाराज हैं। आचार संहिता लगने वाली है, ऐसे में उनका धैर्य जवाब दे रहा है। ये किसान मंत्री और क्षेत्र के विधायक गोविन्दराम मेघवाल से मिलने जयपुर पहुंचे। इस दौरान ने कहा कि अब तक निर्णय नहीं होने से लोग नाराज हैं। तभी गोविन्दराम ने कहा कि साढ़े चार महीने के आंदोलन से क्या हुआ?

अब नाराज होकर चले जाओ और वोट बीजेपी को दे देना, बात खत्म। कैबिनेट मंत्री ने ऐसा पहली बार नहीं बोला है। वो पहले भी कई बार आपत्तिजनक टिप्पणियां कर चुके हैं। इससे पहले उन्होंने कहा था कि 2024 के चुनाव में मोदी-शाह को हटाने के लिए कानून भी हाथ में लेना पड़ा तो वो लेंगे। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल पर भी पूर्व में कई बार टिप्पणियां कर चुके हैं। भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी के लिए हाल ही में कहा था कि उनकी हालत विधवा चाची जैसी है।

खबर संक्षेप

जेलों में 90 फीसदी भिखारी पाक के

इस्लामाबाद। पश्चिम एशियाई देशों में भिक्षावृत्ति के लिए बड़ी संख्या में लोगों को जेल में बंद किया गया है।

इसमें 90 फीसदी लोग पाकिस्तान से हैं। सऊदी अरब और इराक जैसे देशों ने पाकिस्तान सरकार से भिक्षावृत्ति के प्रवाह को रोकने का अनुरोध भी किया है। इतना ही नहीं, मक्का की ग्रैंड मस्जिद के भीतर से गिरफ्तार किए गए ज्यादातर जेबकतरे पाकिस्तान से ही हैं। पाकिस्तानी भिखारी उमरा वीजा पर जियारत की आड़ में विदेश यात्रा करते हैं और बाद में सड़कों पर भीख मांगते हैं। उड़ानें अक्सर पूरी तरह से भिखारियों से भरी होती है।

परमाणु हथियारों के विकास के लिए बनाया कानून

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया ने एक अहम बदलाव के तहत परमाणु हथियारों के तेज विकास की नीति

को अब अपने संविधान में शामिल कर लिया है। अब कानून बनने के बाद उत्तर कोरिया के परमाणु हथियारों के विकास में तेजी आ सकती है। उत्तर कोरिया का यह कदम ऐसे समय आया है जब अमेरिका द्वारा उत्तर कोरिया से अपील की जा रही है कि वह बातचीत की मेज पर लौटे। इस बातचीत के जरिए उत्तर कोरिया को परमाणु हथियार कार्यक्रम ना चलाने के लिए अमेरिका से आर्थिक मदद मिलनी है।

चुनिंदा लोग कर रहे खालिस्तान की मांग

वॉशिंगटन। भारतीय मूल के अमेरिकी दिग्गज उद्योगपति संत सिंह चटवाल ने कहा है कि 99

प्रतिशत सिख भारत से प्यार करते हैं और बहुत ही कम तादाद है उन लोगों की जो खालिस्तान का समर्थन करते हैं। संत सिंह चटवाल ने पीएम मोदी की भी जमकर तारीफ की और कहा कि पीएम मोदी ने सिख समुदाय के लिए बहुत कुछ किया है। भारत-कनाडा के बीच जारी विवाद में खालिस्तान का मुद्दा लगातार चर्चा में बना हुआ है, ऐसे में संत सिंह चटवाल का यह बयान बेहद अहम है। भारत हमारा देश है। और किसी की भी खालिस्तान में रुचि नहीं है। मुझे पता नहीं उन्हें फंडिंग कहां से मिल रही है और जो लोग खालिस्तान की मांग कर रहे हैं, वो कभी पंजाब गए भी नहीं हैं।

371 दिन बाद अंतरिक्ष से लौटे तीन यात्री

वॉशिंगटन। अमेरिकी एस्ट्रोनॉट फ्रैंक रुबियो समेत तीन यात्री अंतरिक्ष में 371 दिन बिताने के बाद धरती पर लौट आए हैं। उनके सोयुज एमएस-23 कैप्सूल की 27 सितंबर को कजाखस्तान के रेगिस्तान में सुरक्षित लैंडिंग हुई। रूसी अंतरिक्ष यात्री सर्गेई प्रोकोपियेव व दमित्री पेतेलिन भी उनके साथ वापस लौटे हैं। नासा के रुबियो अंतरिक्ष में सबसे ज्यादा समय बिताने वाले अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री बन चुके हैं।

संबंध और मजबूत हुए, 2019 की तुलना में 20 फीसदी वीसा ज्यादा जारी

अमेरिकी दूतावास का बड़ा कमाल 10 लाख भारतीयों को दिया वीजा

एजेंसी ▶▶ वांशिगटन

अमेरिका में भारतीयों को दूतावास ने 10 लाख से अधिक वीजा जारी किए हैं। साल 2023 में यह आंकड़ा 2019 के आंकड़े से 20 फीसदी अधिक है। इस तरह अमेरिकी मिशन ने 2023 में 10 लाख गैर-अप्रवासी वीजा आवेदनों को संसाधित करने के अपने लक्ष्य को पार कर लिया है। अमेरिकी दूतावास ने घोषणा की कि मिशन ने 2022 में संसाधित मामलों की कुल संख्या को पहले ही पार कर लिया है। यह 2019 से पहले की तुलना में लगभग 20% अधिक आवेदनों पर कार्रवाई कर रहा है। भारत में राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा कि भारत के साथ हमारे द्विपक्षीय सहयोग और संबंध काफी गहरे हैं। साथ ही दोनों देशों के रिश्ते सबसे महत्वपूर्ण रिश्तों में से एक है। हमारे लोगों के बीच संबंध पहले से कहीं अधिक मजबूत हैं। हम आने वाले महीनों में अधिक से अधिक भारतीय आवेदकों को अमेरिका की यात्रा करने वीजा कार्य की रिकॉर्ड-सेटिंग मात्रा जारी रखेंगे।

> अमेरिका में भारतीयों को दूतावास ने 10 लाख से अधिक वीजा जारी किए हैं। यह 2019 की तुलना में लगभग 20% अधिक है। भारत में राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा कि भारत के साथ हमारे द्विपक्षीय सहयोग और संबंध काफी गहरे हैं। संबंध पहले से कहीं अधिक मजबूत हैं।

खास बातें
- भारत से रिश्ते हुए और अधिक मजबूत
- दोनों देशों के रिश्ते सबसे महत्वपूर्ण रिश्तों में से एक
- वीजा कार्य की रिकॉर्ड-सेटिंग मात्रा जारी रहेगी
- अमेरिका भारत में वीजा सुविधा के लिए कर रहा विस्तार

एरिक ने सौंपा 10 लाख वां वीजा

अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने एक कपल को दस लाख वां वीजा सौंपा है, जो एमआईटी में अपने बेटे के स्नातक स्तर की पढ़ाई के लिए अमेरिका जा रहे हैं। लेडी हार्डिंग कॉलेज की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. रंजू सिंह अमेरिकी दूतावास से इस वर्ष अपना दस लाख का वीजा मिलने के बारे में एक ईमेल प्राप्त करके बहुत खुश थीं। उनके पति पुनीत दर्गन को अगला वीजा दिया गया।

विदेश मंत्री जयशंकर की समकक्ष से मुलाकात अहम

भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मिल रहे हैं। बातचीत होनी है। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच भारत-कनाडा मुद्दे पर बात होने के कयास लगाए जा रहे हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड में

भारत से कनाडाई जांच में पूरा सहयोग करने का आग्रह किया गया है। विदेश मंत्री जयशंकर और अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की मुलाकात भारतीय समयानुसार 28 सितंबर की देर रात होगी। इससे पहले हरदीप सिंह निज्जर की हत्या मामले में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत ने कनाडा से कह दिया है कि ऐसा काम करना सरकार की नीति नहीं है।

12 लाख भारतीयों ने की अमेरिका यात्रा

पिछले वर्ष, 12 लाख से अधिक भारतीयों ने अमेरिका की यात्रा की। यह विश्व में सबसे मजबूत यात्रा संबंधों में से एक बन गया। भारतीय अब दुनियाभर में सभी वीजा आवेदकों में से 10 प्रतिशत से अधिक का रिप्रेजेंट करते हैं। इसमें सभी छात्र वीजा आवेदकों में से 20 फीसदी और सभी एचएंडएल-श्रेणी (रोजगार) वीजा आवेदकों में से 65 फीसदी शामिल हैं। दूतावास ने कहा कि पहले से कहीं अधिक वीजा सुविधा के लिए अपने स्टाफ का विस्तार किया है। मिशन ने मौजूदा सुविधाओं, जैसे चेन्नई में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास में महत्वपूर्ण पूंजीगत सुधार किए हैं और हैदराबाद में एक नए वाणिज्य दूतावास भवन का उद्घाटन किया है।

सीनेट में स्टॉपगैप फंडिंग बिल खारिज

अमेरिका में 1 अक्टूबर से शटडाउन! कर्ज नहीं चुका पा रहे जो बाइडेन

◆ सरकारी सेवाएं होंगी बाधित, वेतन के पड़ेगे लाले

एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन

यदि अमेरिका की बाइडेन सरकार 1 अक्टूबर से शुरू होने वाले नए वित्तीय वर्ष के लिए धन उपलब्ध कराने में विफल रहती है, तो अमेरिकी सरकारी सेवाएं बाधित हो जाएंगी और लाखों कर्मचारियों के वेतन के लाले पड़ जाएंगे। या तो इन कर्मचारियों को बिना वेतन के छुट्टी दे दी जाएगी या फिर आवश्यक समझे जाने वाले कर्मचारी काम पर बने रहेंगे। कई सरकारी एजेंसियों और सेवाओं पर भी बड़ा असर हो सकता है। अरबों-खरबों के कर्ज में दबी अमेरिकी सरकार के कई विभागों पर बंद होने का खतरा है? रिपब्लिकन यूएस हाउस स्पीकर केविन मैक्कार्थी ने सीनेट में आगे बढ़ने वाले स्टॉपगैप फंडिंग बिल को खारिज कर दिया। वाशिंगटन एक दशक में अमेरिकी सरकार के चौथे शटडाउन के करीब पहुंच गया है। सिर्फ तीन दिन बचे हैं। इस शटडाउन से सैकड़ों-हजारों सरकारी कर्मचारियों की नौकरी से छुट्टी हो जाएगी।

30 सितंबर से पहले फंड का आवंटन जरूरी

अमेरिका के फेडरल सरकार में हर वित्तीय वर्ष 30 सितंबर का होता है। यहां कांग्रेस को इससे पहले 438 सरकारी एजेंसियों के लिए फंडिंग का आवंटन करना होता है। अगर सांसद वित्त वर्ष शुरू होने पर ये बिल पास नहीं करते हैं तो सरकारी एजेंसियों के पास काम करने के लिए पैसा नहीं रहेगा और उनको बंद होना पड़ेगा। अभी सांसदों और रिपब्लिक नेताओं के बीच विवाद की वजह से फंडिंग के प्रस्ताव पर सहमति नहीं बन पा रही है। 1981 के बाद से अबतक यूएस में 14 बार शटडाउन हो चुका है, हालांकि, इनमें से कुछ एक या दो दिनों के लिए भी रहे हैं। इसके पहले दिसंबर, 2018 और जनवरी, 2019 के बीच 34 दिनों तक शटडाउन चला था, जोकि सीमा सुरक्षा के मुद्दे पर हुआ था। अक्सर ऐसा भी होता है कि सांसद एजेंसियों का मौजूदा फंड बढ़ाकर डेडलाइन खिसका देते हैं, ताकि मोल-भाव चलता रहे।

» सैन्यकर्मी अपने पदों पर बने रहेंगे

2 मिलियन अमेरिकी सैन्यकर्मी अपने पदों पर बने रहेंगे, लेकिन अगर शटडाउन होता है तो पेंटागन के 8 लाख नागरिक कर्मचारियों में से लगभग आधे को छुट्टी दे दी जाएगी। पेंटागन राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए आवश्यक आपूर्ति या सेवाओं के लिए नए ऑर्डर दे सकता है। नवीनीकरण या विस्तार सहित अन्य नए अनुबंध नहीं दिए जाएंगे। ऊर्जा विभाग का राष्ट्रीय परमाणु सुरक्षा प्रशासन परमाणु हथियारों का रखरखाव जारी रखेगा।

जारी किया नया वीडियो

पन्नू ने फिर की हरकत, दिल्ली के फ्लाईओवर पर लिखवाए नारे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

खालिस्तानी आतंकी और प्रतिबंधित संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' का नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। पन्नू ने दिल्ली के आईएसबीटी इलाके में एक फ्लाईओवर की दीवारों के साथ-साथ कुछ अन्य जगहों पर खालिस्तान के समर्थन में स्लोगन लिखवाया है। पुलिस ने नारों को पेंट करवा दिया है, एफआईआर दर्ज कर ली है और मामले की जांच की जा रही है।

27 अगस्त को भी की गई थी ऐसी हरकत

बता दें कि दिल्ली के शिवाजी पार्क, मादीपुर, पश्चिम विहार, उद्योग नगर और महाराजा सूरजमल स्टेडियम मेट्रो स्टेशनों की दीवारों पर 27 अगस्त को खालिस्तान के समर्थन में नारे लिखे पाए गए थे। इनमें 'दिल्ली बनेगा खालिस्तान' और 'खालिस्तान जिंदाबाद' जैसे नारे लिखे थे।

नहीं निकल रही जानकारी

मिजोरम में शरणार्थियों पर बरस रहा सरकार का प्यार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मिजोरम में बड़ी संख्या में म्यांमार से आए शरणार्थी रहने आ जाते हैं। ये कोई अभी का ट्रेंड नहीं है, बल्कि पिछले कई सालों से ऐसा ही चलता आ रहा है। जब से म्यांमार में सेना ने सत्ता संभाली है, ये पलायन और तेजी से बढ़ गया है। इन शरणार्थियों का एक डेटा निकालना चाहिए, सरकार तैयार नहीं है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश भी हैं, लेकिन अब पता ये चला है कि ना मिजोरम और ना ही मणिपुर की सरकार ने इस दिशा में कोई कदम उठाया है।

.... सीमा खोल दी गई

बताया जा रहा है कि मिजोरम में तो चुनाव को देखते हुए शरणार्थियों के लिए उल्टा सीमा खोल दी गई है। इसी वजह से उनकी तरफ से लगातार केंद्र के आदेश की भी तौहीन की जा रही है। मिजोरम और म्यांमार के लोगों की संस्कृति काफी समान है, ऐसे में एक भावनात्मक रिश्ता भी चल रहा है। इसी वजह से मिजोरम की सरकार ने अभी तक इस प्रक्रिया को शुरू ही नहीं किया है।

अटल इनोवेशन मिशन ने प्रमुख भूमिका निभाई

वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत 40वें स्थान पर बरकरार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने वैश्विक नवाचार सूचकांक 2023 में चालीसवां स्थान बरकरार रखा है। नीति आयोग ने बताया कि वैश्विक नवाचार सूचकांक में शामिल 132 देशों की अर्थव्यवस्था में भारत का 40वां स्थान बरकरार है। यह रैंकिंग विश्व बौद्धिक संपदा संगठन ने जारी की है। नीति आयोग ने बताया कि पिछले कई वर्षों से वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत की बढ़त बनी हुई है। 2015 में भारत का 81वां रैंक था जो 2023 में 40वां हो गया। भारत ने वैश्विक नवाचार सूचकांक 2023 में चालीसवां स्थान बरकरार रखा है।

जीआईआई रैंकिंग में लगातार सुधार

जीआईआई रैंकिंग में लगातार सुधार अपार ज्ञान पूंजी, जीवंत स्टार्ट-अप ईको सिस्टम और सार्वजनिक और निजी अनुसंधान संगठनों द्वारा किए गए कार्यों के कारण है। कई विभागों ने सिस्टम को समृद्ध करने में भूमिका निभाई है।

राज्यों और जिलों में नवाचार ईको-सिस्टम के विस्तार में भूमिका

नीति आयोग इलेक्ट्रिक वाहनों, जैव प्रौद्योगिकी, नैनो प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में नीति-आधारित नवाचार के लिए बेहतर प्रयास करने के लिए कार्य कर रहा है। इसने राज्यों और जिलों में नवाचार इको-सिस्टम के विस्तार में भी भूमिका निभाई है।

जोहान्सबर्ग ब्रिक्स संसदीय मंचः राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश बोले

अफ्रीका के साथ संबंधों का विस्तार करना भारत का लक्ष्य

एजेंसी ▶▶ जोहान्सबर्ग

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने जोहान्सबर्ग में नौवें ब्रिक्स संसदीय मंच से कहा कि भारत का लक्ष्य अफ्रीका के साथ संबंधों का विस्तार करना है। इस सम्मेलन का विषय 'अफ्रीका मुक्त व्यापार समझौते के त्वरित कार्यान्वयन के लिए ब्रिक्स और अफ्रीका साझेदारी को गहरा करने के लिए बहुपक्षवाद और संसदीय कूटनीति का इस्तेमाल करना' है। ब्रिक्स पांच देशों ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का समूह है। भारत और अफ्रीका के बीच करीबी संबंधों पर जोर देते हुए हरिवंश ने कहा कि दोनों के बीच लंबे समय से चले आ रहे रिश्ते ऐतिहासिक, भौगोलिक और आर्थिक संबंधों से बंधे हुए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में दोनों के बीच व्यापार संबंध मजबूत हुए हैं।

ब्रिक्स के अधिक समावेशी होने के प्रयासों की सराहना

हरिवंश ने ब्रिक्स के अधिक समावेशी होने के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत ब्रिक्स की समानता, खुलेपन, समावेशिता, आम सहमति, परस्पर सम्मान और समझ की भावना को महत्व देता है। विकासशील देशों के हितों का प्रतिनिधित्व करने वाले ब्रिक्स ने बार-बार वैश्विक शासन प्रणाली के अधिक लोकतंत्रीकरण और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, डब्ल्यूटीओ आदि जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में सुधार की मांग की है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स में हमने अपनी कार्रवाई से यह साबित किया है।

भारत ने अफ्रीकी देशों के लिए अपना बाजार खोला

उन्होंने कहा कि अफ्रीका के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार 2022-2023 में पहले ही 98 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। भारत, अफ्रीकी वस्तुओं और उत्पादों के लिए एक बड़ा बाजार भी प्रदान करता है। 'ड्यूटी-फ्री टैरिफ प्रिफरेंस स्कीम' भारत की कुल टैरिफ लाइनों के 98.2 फीसदी तक शुल्क मुक्त पहुंच प्रदान करती है। भारत ने अफ्रीकी देशों के लिए अपना बाजार खोला है। उपसभापति ने कहा कि विकास साझेदारी, डिजिटल साक्षरता, कृषि, आतंकवाद का मुकाबला करने से लेकर समुद्री सुरक्षा तक, भारत का लक्ष्य अफ्रीका के साथ अपने संबंधों का विस्तार करना है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने दिया तर्क

प्रौद्योगिकी और दूरदर्शी नेतृत्व से कचरे से धन बनाना संभव

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि 2070 तक देश को कार्बन तटस्थ बनाने के पीएम नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण को हासिल करने के लिए निर्माण क्षेत्र में हरित पहल की जाएगी। गडकरी ने कहा कि परिवहन मंत्रालय सड़क निर्माण में नगर निगम के कचरे का उपयोग करने के लिए नीति को अंतिम रूप दे रहा है। सरकार जीवाश्म ईंधन का उपयोग नहीं करने के लिए निर्माण उपकरण निर्माताओं को प्रोत्साहन देने पर भी विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि दैनिक आधार पर उत्पन्न होने वाले ठोस कचरे का निपटान देश भर के शहरी क्षेत्रों में पेश आने वाली प्रमुख पर्यावरणीय चुनौती है।

कार्बन मुक्त परिवहन के लिए कई पहल

गडकरी ने कहा कि उनके मंत्रालय ने परिवहन क्षेत्र को कार्बन मुक्त करने के लिए कई पहल की हैं और सरकार दिल्ली और जयपुर के बीच इलेक्ट्रिक राजमार्ग विकसित करने पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिक हाइवे वाहनों के लिए इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन को उसी तरह से पूरा करते हैं। जैसे रेलवे के लिए किया जाता है। यह स्वीडन और नॉर्वे जैसे देशों में प्रचलित तकनीक पर आधारित है। इसमें बिजली केबलों का प्रावधान शामिल है, जिसका उपयोग ऐसे वाहन द्वारा किया जा सकता है।

माइक्रोबायोलॉजी में शोध से मार्केटिंग तक के अवसर

इक्रोबायोलॉजी के विशेषज्ञों की बदौलत हाल-फिलहाल में कई संक्रामक बीमारियों, जैसे जीका वायरस, एचआईवी और स्वाइन फ्लू आदि की पहचान से लेकर उपचार तक में कारगर कदम उठाए जा सके हैं। डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ व डेयरी उत्पादों की जांच-पड़ताल करना भी अब माइक्रोबायोलॉजी के इस्तेमाल से काफी आसान हो गया है। चिकित्सा के क्षेत्र में शोध के अलावा जीन्स थैरेपी व प्रदूषण पर रोक की दिशा में माइक्रोबायोलॉजिस्ट ने कई नए आयाम गढ़े हैं। बीते कुछ वर्षों में माइक्रोबायोलॉजी के अध्ययन में ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं की रुचि बढ़ी है। स्थानीय स्तर पर इस क्षेत्र के लोगों को पर्याप्त अवसर मिल रहे हैं। .

क्या है माइक्रोबायोलॉजी

माइक्रोबायोलॉजी के अंतर्गत सूक्ष्म जीवों जैसे प्रोटोजोआ, एल्गी, बैक्टीरिया व वायरस का गहराई से अध्ययन किया जाता है। इस विषय के जानकार लोग इन जीवाणुओं के जीवजगत पर अच्छे व बुरे प्रभावों को जानने की कोशिश करते हैं। जीन थेरेपी तकनीक के जरिए इनसानों में होने वाली गंभीर आनुवंशिक गड़बड़ियों के बारे में पता लगाते हैं।

रोजगार की संभावनाएं.

दुनिया भर में नई-नई बीमारियों के सामने आने से आज माइक्रोबायोलॉजिस्ट की जरूरत कई उद्योगों में पड़ रही है। ये अवसर सरकारी व निजी, दोनों क्षेत्रों में मिल रहे हैं। इस क्षेत्र के जानकार दवा कंपनियों, वॉटर प्रोसेसिंग प्लांट्स, चमड़ा व कागज उद्योग, फूड प्रोसेसिंग, फूड बेवरेज, रिसर्च एवं डेवलपमेंट सेक्टर, बायोटेक व बायो प्रोसेस संबंधी उद्योग, प्रयोगशालाओं, अस्पतालों, होटल, जनस्वास्थ्य के काम में लगे गैरसरकारी संगठनों के साथ ही अनुसंधान एवं अध्यापन के क्षेत्र में भी जा सकते हैं।

पेशेवर बढ़ें नई खोज की ओर

इस क्षेत्र में बुलंदी तक तभी पहुंचा जा सकता है जब खुद के अंदर कुछ नया खोज लेने का कौशल हो। यानी छोटी से छोटी चीज को गहराई से परखते हुए किसी उद्देश्य तक पहुंचना इस क्षेत्र की खास मांग है। इसमें पेशेवरों के लिए काम के घंटे निर्धारित नहीं हैं। घंटों प्रयोगशालाओं में बैठ कर जीवाणुओं व विषाणुओं पर अध्ययन करना इनकी कार्यशैली में शामिल होता है। .

आकर्षक वेतन

इसमें निजी सेक्टर खासकर बहुराष्ट्रीय कंपनियों में सबसे अच्छा वेतन मिलता है। मास्टर या पीजी डिप्लोमा कोर्स के बाद किसी चिकित्सा संस्थान से जुड़ने पर पेशेवर को 40-45 हजार रुपए प्रतिमाह मिलते हैं। शोध या अध्यापन में यही आमदनी 70-80 हजार प्रतिमाह के करीब पहुंच जाती है।

इन रूपों में है रोजगार

मेडिकल माइक्रोबायोलॉजिस्ट- ये शरीर में होने वाले संक्रमण व इन्हें नियंत्रित करने वाले उपायों की तलाश पर जोर देते हैं। ये नए रोगाणुओं की खोज भी करते हैं।

पब्लिक हेल्थ माइक्रोबायोलॉजिस्ट- ये पेशेवर पानी एवं खाद्य पदार्थों की आपूर्ति के दौरान उनमें फैलने वाली बीमारियों का अध्ययन करते हैं तथा उन पर समय रहते नियंत्रण की कोशिश करते हैं।

एग्रीकल्चर माइक्रोबायोलॉजिस्ट- ये पेशेवर फसलों कीसेहत सुधारने, उन्हें हानिकारक न होने देने, मृदा परीक्षण कर उसकी उत्पादकता बढ़ाने आदि पर ध्यान देते हुए अपने काम को गति देते हैं।

माइक्रोबियल इकोलॉजिस्ट- इनकी बदौलत सूक्ष्म जीवों की उत्पत्ति एवं मिट्टी व पानी के रासायनिक चक्र में उनके महत्व को परखा जाता है। ये वातावरण को प्रदूषित होने से भी बचाते हैं।

फूड एंड डेयरी माइक्रोबायोलॉजिस्ट- ये पेशेवर खाद्य पदार्थों एवं डेयरी उत्पादों पर सूक्ष्म जीवों के प्रतिकूल प्रभावों की जांच करते हैं। डेयरी उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखने का जिम्मा भी इन्हीं का होता है।

बायोमेडिकल साइंटिस्ट- यह लैब से जुड़ा हुआ काम होता है। ये पेशेवर जीवों मे बीमारियों का अध्ययन करने व जैविक सूचनाओं का सही प्रबंधन करते हुए उनके हानिकारक तत्वों को कम करते हैं।

छात्र स्नातक के बाद क्लीनिकल व डायग्नोसिस लैबोरेट्री में बतौर असिस्टेंट या रिसर्च असिस्टेंट के रूप में काम कर सकते हैं। फार्मा व फूड इंडस्ट्री में उसके लिए बेहतरीन मौके हैं।

चुनौतियां

इस क्षेत्र में अपनी उपयोगिता बनाए रखने के लिए पेशेवरों को नियमित अध्ययन करने की जरूरत होती है। लैब सेटअप का बेहतर ज्ञान होना चाहिए। हानिकारक जीवाणुओं का प्रभाव रोकने, पर्यावरण को दूषित होने से बचाने सरीखे कार्य चुनौतीपूर्ण होते हैं। इस क्षेत्र के जानकारों को कॉर्पोरेट जगत में सुनहरे अवसर तो मिलते हैं, लेकिन मार्केटिंग, प्रबंधन, सेल्स सरीखे कार्य पेशेवरों के लिए नई चुनौती लेकर आते हैं। ज्यादा नौकरियां सरकारी क्षेत्रों में हैं।.

संस्थान

- दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली.
- बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी.
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा.
- अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़.
- चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ.
- छत्रपति साहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर.
- पटना विश्वविद्यालय, पटना, बिहार.

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए युवाओं को माइक्रोबायोलॉजी विषय से बैचलर होना जरूरी है। इसके बैचलर स्तर के विशिष्ट पाठ्यक्रमों में बायोलॉजी विषय से 12वीं पास करने वाले छात्रों को प्रवेश दिया जाता है। इस क्षेत्र से संबंधित करीब दर्जन भर मास्टर्स स्तर के पाठ्यक्रमों में माइक्रोबायोलॉजी या लाइफ साइंस में स्नातक करने के बाद प्रवेश लिया जा सकता है। कई छात्र माइक्रोबायोलॉजी में मास्टर करने के बाद शोध की ओर कदम बढ़ाते हैं। इसके कुछ प्रमुख कोर्सेज में हैं-बीएससी इन माइक्रोबायोलॉजी/एप्लायड माइक्रोबायोलॉजी बीएससी इन फूड टेक्नोलॉजी/क्लीनिकल माइक्रोबायोलॉजी % एमएससी इन माइक्रोबायोलॉजी/एप्लायड माइक्रोबायोलॉजी एमएससी इन मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी स्पेशलाइजेशन इन एग्रीकल्चर माइक्रोबायोलॉजी स्पेशलाइजेशन इन नैनो माइक्रोबायोलॉजी/सेलुलर माइक्रोबायोलॉजी

वॉइस ओवर-डबिंग आर्टिस्ट के रूप में हैं कॅरियर की संभावनाएं

अगर आपकी आवाज में कुछ खास है और आपको लगता है कि आपकी आवाज दूसरों से काफी अलग है तो आप आवाज की दुनिया में बेहतरीन कॅरियर बना सकते है। आज हम आपको बताने जा रहे हैं वॉइस एक्टिंग या डबिंग आर्टिस्ट के रूप में कॅरियर की संभावनाओं के बारे में। अगर आप और लोगों से हटके कुछ अलग कॅरियर बनाना चाहते है तो एक वॉइस ओवर आर्टिस्ट बनकर आप न सिर्फ अच्छा कॅरियर बना सकते है, बल्कि दूसरे कॅरियर की अपेक्षा काफी अच्छा पैसा भी कमा सकते है। आज फिल्मों से लेकर नाटक, रेडियो, टीवी, विज्ञापन, डॉक्यूमेंट्री, एनिमेशन फिल्म, ऑडियों बुक आदि में डबिंग आर्टिस्ट्स की काफी मांग रहती है। अगर आपमें वो बात है तो आपकी आवाज आपको एक अलग ही पहचान दिला सकती है। तो आइए जानते है वॉइस ओवर अथवा डबिंग आर्टिस्ट के रूप में कॅरियर की संभावनाएं, कोर्स, सैलरी आदि के बारे में।

डबिंग आर्टिस्ट बनने के लिए योग्यता

वैसे तो डबिंग आर्टिस्ट बनने के लिए किसी खास योग्यता की जरूरत नही है। अगर आपकी आवाज में दम है और आपकी भाषाशैली मजबूत है तो आप इस फील्ड में एंट्री कर सकते है। हालांकि फिर भी आपका कम से कम 12वीं पास होना जरूरी है। पिछले कुछ समय से डबिंग आर्टिस्ट या वॉइस ओवर आर्टिस्ट के कोर्स भी करवाएं जा रहे हैं, जिसमें प्रोफेशनल्स स्टूडेंट्स को वॉइस ओवर की टेक्निकल जानकारी देते हैं।

वॉइस आर्टिस्ट के व्यक्तिगत गुण

अगर आप वॉइस आर्टिस्ट या डबिंग आर्टिस्ट के रूप में कॅरियर बनाना चाहते है तो आपमें कुछ खास गुणों का होना जरूरी है। एक वॉइस आर्टिस्ट में वॉइस मोड्यूलेशन, उच्चारण, भाषा पर पकड़ होना बेहद जरूरी है। इसके अलावा वॉइस आर्टिस्ट को कैरेक्टर या सिचुएशन के हिसाब से अपनी आवाज में बदलाव लाना जरूरी है। जैसे इमोशन और कॉमेडी की जगह पर उस हिसाब से अपनी आवाज का ढालना जरूरी है।

अवसर

एक डबिंग आर्टिस्ट के लिए अवसरों की कोई कमी नही है। आकाशवाणी, दूरदर्शन, विभिन्न टीवी चैनल्स, नाटक, रेडियो, टीवी, विज्ञापन, डॉक्यूमेंट्री, एनिमेशन फिल्म, ऑडियों बुक आदि में डबिंग आर्टिस्ट के लिए अवसरों की कमी नहीं है।

सैलरी

एक डबिंग आर्टिस्ट के रूप में कॅरियर बनाने पर न सिर्फ अच्छा पैसा मिलता है, बल्कि नाम और फेम भी मिलता है। एक डबिंग आर्टिस्ट को शुरुआती तौर पर 10 - 25 हजार रूपए महीना आसानी से मिल जाते हैं, लेकिन एक्सपीरियंस बढ़ने के साथ 40 - 50 हजार रूपए महीना तक कमाया जा सकता है। साथ ही डबिंग आर्टिस्ट डेली बेस, फ्रीलांसर के तौर पर काम करके कमा सकते हैं। फिल्मों में हीरो या हीरोइन की डबिंग करने वाले आर्टिस्ट को 1 लाख से 5 लाख रुपए तक प्रति फिल्म मिलते है।

टेक्निकल जानकारी होना है जरूरी

अगर आप एक डबिंग आर्टिस्ट के रूप में कॅरियर बनाना चाहते है तो आपको टेक्निकल जानकारी होना बेहद जरूरी है। जैसे माइक की जानकारी, माइक को हैंडिल करने की जानकारी जैसे कितनी दूर या कितनी पास से बोलना है। इसके अलावा डबिंग के दो तरीके होते है पहला पैरा डबिंग और दूसरा लिपसिंग। पैरा डबिंग में आर्टिस्ट को ऑडियो या वीडियो पर बिना ध्यान दिए डबिंग करनी होती है। वहीं लिपसिंग में वॉइस ऑर्टिस्ट को कैरेक्टर के होंठों को पढ़कर उच्चारण को मैच करते हुए डबिंग करनी पड़ती है।

यहां से करें कोर्स

अगर आप डबिंग आर्टिस्ट या वॉइस ओवर आर्टिस्ट के रूप में कॅरियर बनाना चाहते है तो इसके सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते है। इसके 1 महीने से लेकर 6 महीने तक के कोर्स करवाएं जाते है। जिसकी फीस 10 हजार से लेकर 25 रुपए तक होती है।

प्रमुख संस्थान

- भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली
- डिजायर्स एंड डेस्टिनेशन, मुंबई
- ईएमडीआई इंस्टीट्यूट, मुंबई
- एआरएम स्कूल, मुंबई
- द वायस स्कूल, मुंबई

क्या बिना स्मार्टफोन के नहीं पल सकते बच्चे

छोटे बच्चों के हाथों में स्मार्टफोन थमाना इनदिनों आम बात हो गई है। बच्चों की जरा-सी शैतानी और रोने पर अभिभावक उनके हाथ में मोबाइल थमा देते हैं। गेम लगाकर या फिर यूट्यूब पर वीडियो चलाकर बच्चों को दे देते हैं ताकि वे मोबाइल पर रमे रहे। लेकिन इस बीच अभिभावक यह भूल जाते हैं कि छोटे बच्चों के लिए मोबाइल जितना मनोरंजन का साधन है, उससे कई ज्यादा खतरनाक भी है। स्मार्टफोन से निकलने वाले खतरनाक रेडिएशन बच्चों की परवरिश पर असर डालती हैं। ये खतरनाक किरणें, बच्चों को कई तरह की बीमारियां भी दे सकती हैं। एक प्राइवेट कंपनी में कार्यरत भूमिका कहती हैं कि आधुनिक जीवनशैली में परिवार एकल हो गए हैं। ऐसे में अक्सर नए-नए अभिभावक बने कपल्स बच्चों को सही से नहीं संभाल पाते हैं। वह बच्चों की जरा-सी शैतानी और रोने को भी बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं, ऐसे में वह या तो बच्चों को खेल लगाने के लिए लाउड म्यूजिक चला देते हैं या फिर उनके हाथ में स्मार्टफोन थमा देते हैं। पेरेंट्स यह भूल जाते हैं कि स्मार्टफोन की किरणें न सिर्फ बच्चों की आंखों के लिए हानिकारक हैं बल्कि स्वास्थ्य पर भी इनका घातक दुष्परिणाम होता है। दरअसल, एक बार अगर बच्चों के हाथ में मोबाइल फोन दे दिया गया तो वह काफी देर तक उसमें ही रमे रहते हैं। इससे बच्चों को धीरे-धीरे मोबाइल फोन की लत लग जाती है। बच्चों घंटे मोबाइल फोन में या तो गेम खेलते रहते हैं या फिर उसकी स्क्रीन पर आंख गड़ाए रहते हैं। ऐसे में बच्चों की आंखें बचपन से ही कमजोर हो सकती हैं। भूमिका कहती हैं कि स्मार्टफोन की लत की वजह से बच्चों को कान और दिमाग का ट्यूमर होने का भी खतरा रहता है। कई शोधों में यह बात बताई गई है कि ज्यादा फोन यूज करने पर बच्चों के ब्रेन की एक्टिविटी पर असर पड़ता है। लेकिन अक्सर अभिभावक इन बातों को नजरअंदाज कर देते हैं। फोन बच्चों की एकेडमिक परफॉर्मेंस पर भी असर डालता है, अभिभावकों को यह बात नहीं भूलना चाहिए। भूमिका कहती हैं कि बच्चे बिना स्मार्टफोन के भी पल सकते हैं। बच्चों को रोने दें और शैतानी करने दे, लेकिन झट से उनके हाथ में मोबाइल फोन न थमाएं।

गजब टीचर की अजब कहानी, मिलते हैं फिल्मी शिक्षकों से...

फिल्मों में मास्टरजी को सामान्य व्यक्ति के रूप में बहुत कम दिखाया जाता है। टीचर के रूप में या तो उसे बेहद लाचार और कमजोर बताते हैं, जो कुरता-पजामा पहने, हाथ में छड़ी पकड़े, चश्मा लगाए, टूटी-फूटी साइकिल पर सवार होकर आदर्शवादी बातें करता रहता है या फिर वह आला दर्जे का बेवकूफ रहता है। अधिकांश फिल्मों में टीचर या प्रोफेसर भुलक्कड़ मिलेगा। उसे विद्यार्थी बेवकूफ बनाते रहते हैं और वह जोकरनुमा हरकत करता रहता है। फिल्मों में हास्य के दृश्य डालने के लिए अक्सर टीचर को याद किया जाता है। टीचर भी एक सामान्य व्यक्ति है, लेकिन उसके इस रूप का चरित्र-चित्रण बेहद कम किया गया है। एक अध्यापक की भूमिका अमिताभ बच्चन ने कई बार निभाई है। 'मोहब्बतें' में वे एक गुरुकुल के प्राचार्य के रूप में नजर आए, जो बेहद सख्त और अनुशासनप्रिय है। हँसना तो जैसे वह जानता ही नहीं। शाहरुख और अमिताभ की कशमकश को इस फिल्म में दिखाया गया है। 'मेजर साब' में अमिताभ मेजर जसबीर राणा के रूप में कैडेट्स को देश के लिए मर मिटने का प्रशिक्षण देते हैं। 'कसमे वादे' में भी उन्होंने प्रोफेसर की भूमिका निभाई थी, लेकिन सर्वश्रेष्ठ भूमिका निभाई उन्होंने 'ब्लैक' में। देबराज सहाय के रूप में उन्होंने अंधी-गूँगी-बहरी लड़की मिशेल को शिक्षित करने की भूमिका निभाई। एक ऐसा शिक्षक जिसके सामने अत्यंत कठिन चुनौती है, लेकिन उसे अपने आप पर विश्वास रहता है। वह मिशेल को सिखाने के लिए दिन-रात भिड़ा रहता है। मिशेल के साथ उसकी जिंदगी में कई बार ऐसे लम्हे आते हैं, जब वह झुँझलाता है, गुस्सा करता है, दुःखी होता है, लेकिन हार नहीं मानता। ऐसे टीचर को सलाम करने का मन करता है।

कुछ ऐसी ही भूमिका आमिर खान ने 'तारे जमीं पर' में निभाई। एक टीचर का काम केवल पढ़ाना ही नहीं बल्कि अपने विद्यार्थी को समझना भी होता है। टीचर बने आमिर अपने विद्यार्थी दर्शील की समस्या की जड़ ढूँढते हैं, उसका निदान करते हैं और फिर उसकी खूबियों को

उभारते हैं। एक अध्यापक और विद्यार्थी के रिश्ते पर आधारित यह बेहतरीन फिल्म है।

'मैं हूँ ना' में सुष्मिता सेन ने एक ग्लैमरस टीचर का रोल अदा किया था। चाँदनी चोपड़ा बनकर जिस अंदाज में वह क्लास में पढ़ाती थी उससे विद्यार्थियों का ध्यान पढ़ाई करने के बजाय आहे भरने में जाता था। सभी विद्यार्थी केवल चाँदनी को निहारने के लिए ही क्लास में बैठते थे। इस फिल्म में सभी अध्यापकों को नमूने के रूप में पेश किया गया था। कोई थूक उड़ाता था। कोई इतना बोलता था कि रूकने का नाम ही नहीं लेता था। कोई भुलक्कड़ था। सुष्मिता के मुकाबले में गायत्री जोशी ने फिल्म 'स्वदेस' में गीता के रूप में एक आदर्श टीचर की भूमिका निभाई थी। वह साधारण तरीके से रहती थी और गाँव में बच्चों को पढ़ाती थी। उसे अपनी मातृभूमि से प्यार था। यह किरदार जिंदगी के काफी करीब था। 'मुन्नाभाई एमबीबीएस' में मुन्नाभाई और बोमन ईरानी की नोकझोक काफी दिलचस्प थी। जेसी अष्ठाना के रूप में बोमन ने सराहनीय अभिनय किया था। मुन्नाभाई की हरकतों से अष्ठाना बेहद परेशान रहता है और उसे कॉलेज से निकालने की तरकीबें ढूँढता रहता है। '3 इडियट्?स' में भी बोमन प्रिंसीपल के रूप में नजर आए, जो बहुत ही ब्रिलियंट है, लेकिन छात्रों पर वह पढ़ाई के लिए दबाव बनाता है। जिंदगी को वह रेस का हिस्सा मानता है और उसकी नजर में डॉक्टर या इंजीनियर बनना ही सब कुछ है। आमिर की सोच इससे अलग है और दोनों की टकराहट देखते ही बनती है। 'कल किसने देखा' में अध्यापक को विलेन के रूप में पेश किया गया। ऋषि कपूर साइंस टीचर है। अपने ज्ञान का वह दुरुपयोग कर खलनायकों के साथ मिल वह आतंक फैलाता है। थोड़ा पीछे चलें तो 'जागृति' का नाम याद आता है। सत्येन बोस द्वारा निर्देशित यह फिल्म विद्यार्थी और अध्यापक के रिश्तों पर अच्छी रोशनी डालती है। इस फिल्म का एक गीत 'आओ बच्चों तुम्हें दिखाए झाँकी हिन्दुस्तान की' आज भी गुनगुनाया जाता है। राजकपूर द्वारा निर्देशित 'मेरा नाम जोकर' में टीनएज का विद्यार्थी अपनी टीचर सिमी ग्रेवाल को कपड़े बदलते हुए देख लेता है और उस पर मोहित हो जाता है। बिगड़ैल विद्यार्थियों को सुधारने का जिम्मा विनोद खन्ना ने फिल्म 'इम्तिहान' में उठाया था। इस? फिल्म के विद्यार्थी इतने बदमाश थे कि वे अपने अध्यापक की एक लड़की के साथ आपत्तिजनक तस्वीरें खींच लेते हैं और उसे ब्लैकमेल करते हैं। कुछ इसी तरह का किस्सा फिरोज खान की फिल्म 'अपराध' में भी था। 'सर' के सर नसीरूद्दीन शाह गैंगवार में उलझ जाते हैं। 'कोरा कागज' में टीचर की फटीचर हालत को दिखाया गया था। इसमें प्रोफेसर बने विजय आनंद की शादी अमीर लड़की जया भादुड़ी से हो जाती है। 'चुपके-चुपके' में अमिताभ और धर्मेन्द्र दोनों प्रोफेसर थे। देव आनंद 'हम नौजवान' और राजकुमार 'बुलंदी' में बच्चों को ज्ञान की बातें पढ़ाते हुए नजर आए।

सोशल मीडिया से : छोटी-छोटी बातें

एक बच्चा मां के पास आया और बोला, 'मां आज तुम बहुत सुंदर लग रही हो।'

मां ने पूछा, 'क्यों'

बच्चा ='आज आप गुस्से में नहीं हो।'

आशय इतना ही है कि गुस्सा एक अस्थायी भाव और सनकीपन है। साथ ही यह भी कि सुंदरता कोई दुर्लभ गुण नहीं है। गुस्सा न करना भी हमें सुंदर बना देता है।

उपजाऊ

एक अमीर किसान ने अपने बेटे को कहा कि वह हर रोज खेत में आकर काम किया करे। किसान के दोस्त ने कहा कि तुम्हें अपने बेटे से हर रोज इतना काम नहीं करवाना चाहिए। फसल तो अच्छी हो ही जाएगी।

किसान ने कहा, 'मैं फसल उपजाऊ नहीं कर रहा, अपना बेटा तैयार कर रहा हूं।'

अर्थ यह है कि बच्चे का सही विकास हो इसके लिए जरूरी है कि उसे कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार किया जाए। मेहनत और अभ्यास से ही व्यक्ति खुद को उपयोगी बनाए रख सकता है।

सजग

एक दुकान पर हमेशा रोशनी रहती थी। एक ने पूछा, 'तुम कौन-से ब्रांड का बल्ब इस्तेमाल करते हो ये तो बहुत लंबे समय तक जलते रहते हैं।'

दुकानदार ने कहा, 'बल्ब तो जल्दी ही बुझ जाते हैं। पर जैसे ही बल्ब बुझता है, हम नया लगा देते हैं।'

आशय यह है कि हमेशा चमक रखनी है तो अपने संसाधनों का भी ध्यान रखना होगा। छोटी-छोटी खराबियों और दोषों को सही समय पर दूर करना होगा।

चेतना

चेतना का अर्थ यह नहीं है कि आप खुद के बारे में सचेत रहें। खुद के प्रति सचेत रहना एक बीमारी है, और अचेत होना मृत्यु। चेतन होने का मतलब यह है कि आप अपने मूल से जुड़े रहते हैं। आप जिसे चेतना कहते हैं, वह कोई कार्य, कोई विचार या गुण नहीं है- यह तो सृष्टि का आधार है। अगर हम कहते हैं कि आप की चेतना बढ़ गई है तो इसका अर्थ यह नहीं है कि आप अपने जर्मन शेर्पड (कुत्ते) से ज्यादा सतर्क हो गए हैं। चेतना दिमाग की नहीं होती, लेकिन अगर चेतना जागृत है तो मन स्पष्ट हो जाता है। यह आपके मन और शरीर के माध्यम से, आपकी हर एक कोशिका से, शक्तिशाली रूप से अभिव्यक्त होती है। चेतना इसलिए नहीं होती, कि आप कुछ कर रहे हैं, ये बस इसलिए होती है कि आप ने इसे होने दिया है। आप का जीवन भी चल रहा है, लेकिन आप कुछ भी नहीं कर रहे। हम जिसे चेतना कहते हैं, वह आप के जीवन और अस्तित्व का आधार है। यह कोई ऐसी बात नहीं है जो आप किसी खास समय पर कर सकते हैं या किसी खास समय पर नहीं कर सकते। चेतना तो तब भी है, जब आप इस शरीर में है या बिना शरीर के हैं। प्रश्न सिर्फ यह है कि वह आप को उपलब्ध है या नहीं? आप हमेशा चेतना के लिए उपलब्ध होते हैं, आप उससे बच नहीं सकते, पर क्या वह आप को उपलब्ध है?

सार समाचार

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन का किया लोकार्पण

भूमि दान दाता दंपति का भी किया सम्मान

चमकता राजस्थान

वैर (राजवीर सिंह) सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री भजनलाल जाटव ने हलैना में नेशनल हाईवे, वाटर बॉक्स के पास इंदिरा कॉलोनी में नव निर्मित राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का लोकार्पण किया। लोकार्पण समारोह में संबोधित करते हुये सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री ने कहा कि इन समस्त क्षेत्रों का विकास मेरी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में मुख्यमंत्री द्वारा हलैना की पीएचसी को सीएचसी में क्रमोन्नत कर करीब सवा पांच करोड रु का बजट स्वीकृत किया और साथ ही ट्रॉमा सेंटर भी स्वीकृत किया गया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र के विकास को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से जो भी मांगा वह मिला। हलैना,खरेरी व झील का वाडा को उप तहसील का दर्जा और भुसावर में पंचायत समिति खुली, साथ कृषि कॉलेज व वैर और भुसावर कॉलेज तथा झालाटाला व निठार में बालिका कॉलेज, मौखरोली में आईटीआई कालेज। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि शिक्षा सड़क ,पेयजल , चिकित्सा, बिजली, कृषि, उच्च शिक्षा ,कृषि शिक्षा, राजस्व आदि क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं । हलैना के पूर्व सरपंच वासुदेव गोयल एवं उनकी पत्नी गीता देवी द्वारा हलैना सीएचसी के भवन हेतु भूमि दान की गई थी इस पर मंत्री श्री जाटव ने समारोह में उनका सम्मान भी किया।

इस अवसर पर तोताराम प्रधान, होतीलाल सैनी, भुसावर चेयरमैन प्रतिनिधि प्रकाश सिंह जाटव,पूर्व प्रधान महेश मीणा, योगेश जिंदल, प्रताप सिंह गुर्जर,चंद्रप्रकाश अवस्थी,कैबिनेट मंत्री जाटव मीडिया प्रभारी ऋषि बदनपुरा, सीएचसी भवन निर्माण कर्ता राजेश सिंघल, ट्रॉमा सेंटर निर्माण कर्ता शब्बीर खान, रवि गोयल नगर पालिका वैर के उप चेयरमैन प्रतिनिधि नीरज गर्ग व रामसुख सैनी पूर्व सरपंच आदि मौजूद रहे

यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी द्वारा जारी सामूहिक दुर्घटना बीमा के लाभार्थियों को चैक सौंपा

चमकता राजस्थान

रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट जयपुर गुरुवार दिनांक 28.9.23 को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के कर कमलों से किसान क्रेडिट कार्ड में निहित और यूनाइटेड इंडिया इन्शुरेंस द्वारा जारी, सामूहिक दुर्घटना बीमा के लाभार्थियों को 10-10 लाख रुपए के क्लैम चेक सौंपे गए कुल 1 करोड़ 10 लाख के चेक सौंपे गए। इस अवसर पर यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी के उप महाप्रबंधक रघुनाथ सिंह मीना, क्षेत्रीय प्रबंधक गण गीता राम, अलोक जैन एवं जितेंद्र कुमार सबलानिया उपस्थित रहे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने यूनाइटेड इंश्योरेंस द्वारा दावाधारियों को दी गई त्वरित सेवा की सराहना की एवं भविष्य में भी इस तरह की जनकल्याणकरी योजनाओं के लिए सजग रहने हेतु प्रेरित किया।उप महाप्रबंधक रघुनाथ सिंह मीना ने मुख्यमंत्री को इस अवसर पर धन्यवाद देते हुए विश्वास दिलाया कि जनभागीदारी मे यूनाइटेड इंडिया इश्योरेंस हमेशा अग्रणी रहेगी और भविष्य में भी जनकल्याणकारी योजनाओं बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेगी।गौरतलब है कि वित्तीय वर्ष 2021-22 में यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी को राजस्थान स्टेट कोऑपरेटिव बैंक की ओर से किसान क्रेडिट कार्ड में निहित 10 लाख प्रति सदस्य का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा किया था। जिसके अंतर्गत अभी तक यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस द्वारा तक लगभग 64 करोड़ रुपए की दावा राशि का भुगतान किया जा चुका है। IRDAI ने भी यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी को राजस्थान में साधारण बीमा के क्षेत्र में अग्रणी बीमा कंपनी के तौर पर नियुक्त किया है। इसके अंतर्गत सन 2047 तक बीमा की पहुंच को जन जन तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इसी लक्ष्य को पूर्ण करने की योजना के तहत, राजस्थान में साधारण बीमा के क्षेत्र में यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस को अग्रणी बीमा कंपनी के तौर पर नियुक्त किया है।

समाज, संत व गौ सेवा के लिए करे कार्य - महंत भगवानदास

आगूणी जागा जाम्बा के महंत बने आनंदप्रकाश, संत-महात्मा, जनप्रतिनिधियों व बिश्नोई समाज के हजारों लोगों की उपस्थिति में उत्तराधिकारी चादर रस्म का भव्य कार्यक्रम हुआ आयोजित, रात्रि जागरण में बही सुरों की सरिता

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

बाप ब्लॉक की ग्राम पंचायत जाम्बा मुख्यालय पर संचालित श्री जगतगुरु जंभेश्वर संत आश्रम आगुणी जागा में गुरुवार को दिनभर मेले सा माहौल रहा। यहां पर उत्तराधिकारी चादर रस्म का भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ। जाम्बा महंत भगवानदास ने स्वेच्छा से अपने शिष्य संत आनन्दप्रकाश को अपना उत्तराधिकारी बनाते हुए उन्हें भगवी चादर ओढाई। अब आगूणी जागा के महंत आनंदप्रकाश होंगे। संत जुगतीदास शास्त्री ने बताया की दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत बुधवार रात्रि को भव्य जागरण आयोजित हुआ।

इसमे देश भर से आये संतो व गायक कलाकारो ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। गुरुवार सुबह जंम्भ सरोवर में डुबकी लगाकर हजारो समाज बंधुओं ने पुण्य प्राप्त किया। इसके बाद हवन के साथ पाल का आयोजन हुआ ।बिश्नोई धर्म को मानने वाले समस्त अनुयाइयों ने पाल ग्रहण कर 29 नियमो के पालन का संकल्प लिया। इसके बाद चादर रस्म में देशभर से आये संतो, महंतों व समाज बंधुओं की उपस्थिति में गो भक्त महंत भगवानदास ने संत आनन्दप्रकाश को स्वेच्छा से विधिवत चादर ओढ़ाकर अपना उत्तराधिकारी बनाया। चादर ओढावनी रस्म होते ही पंडाल जम्भेश्वर भगवान की जयघोष से गूंज उठा। चादर ओढावनी के बाद भण्डारे का महाप्रसादी का आयोजन हुआ। महन्त भगवानदास ने सभी मेंहमानो का आभार प्रकट करते हुए अपने शिष्य आनंद प्रकाश से कहा कि वह समाज, संत व गो सेवा के लिए कार्य करें। इस अवसर पर महंत प्रतापपूरी, महंत भगवानदास, महंत प्रेमदास, विश्नोई समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र बुड़िया, पूर्व सांसद जसवंतसिंह विश्नोई, महंत सचिदानन्द, महंत आनंदप्रकाश, संत सुन्दरदास, शिक्षा शास्त्री गोवर्धनदास, संत कृपाचार्य बणीधाम, भगीरथदास शास्त्री, रामाचार्य जेसला, मनोहरदास पंजाब, संत शिवदास, स्वामी बालकृष्ण, बाप तहसीलदार शिवप्रसाद शर्मा, भाजपा प्रदेश मंत्री अनंत कुमार बिश्नोई, भाजपा वरिष्ठ नेता महिपाल भादू, ठेकेदार जीवन भादू मोटाई, जिला परिषद सदस्य ठेकेदार रेशमाराम गोदारा, किसान संघ जिला मंत्री हनुमान अमराणी, भाजपा मंडल बाप अध्यक्ष हरि माडपुरा, पंचायत समिति सदस्य रामकुमार सियाग, एडवोकेट रतनसिंह धोलिया, खि़दरत सरपंच चौधरी हनुमानराम, सेवानिवृत्ति एएसपी सहीराम मांजू सुरपुरा, सोहनराम सियाक़, शिक्षक नेता शिवनाथ विश्नोई, श्रवण बिश्नोई जंभेश्वर नगरी, अर्जुनराम सियाग, राणाराम डारा, ठेकेदार देवाराम सियाग, इंजीनियर बलवीरसिंह गोदारा, अखेराज खत्री, आईदानराम मांजू, मोहनराम माँजु, मालाराम सियाग, पेमाराम फुलानी, महिराम सियाग, डॉ ओमप्रकाश विश्नोई, रामेश्वरलाल गोदारा, मोडकिया सरपंच फरसाराम बिश्नोई, धूड़ाराम कड़वासरा, मास्टर मनोहरलाल, ओमप्रकाश मोटाई, पटवारी अशोक बिश्नोई, रामस्वरूप पूनिया, पुखराज जाम्बा, महिपाल बिश्नोई, मास्टर मनोहर सारण, सीमाजन सह मंत्री मुलसिंह मोडरडी, ठेकेदार राजेन्द्र मांजू खि़दरत, एडवोकेट मदन शर्मा, हजारीराम पुनिया, भारत विकास परिषद बाप अध्यक्ष ओम राठी, सचिव बुधराम सियाक़, सरपंच भंवरलाल खिलेरी, किसन सैन, प्रकाश गोदारा, प्रदीप सारण, मांगीलाल सारण आदि उपस्थित थे।

परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

छत से गिरने से पुलिसकर्मी की मौत

चमकता राजस्थान

भरतपुर (राजवीर सिंह) पहाडी-थाने में हाल ही तबादला होकर आए पुलिसकर्मी की छत से गिरने के कारण मौत हो गई वहीं मौत को लेकर घंटों तक बवाल खड़ा हो गया। वहीं मृतक के परिजन हत्या का आरोप लगा रहे है,

थाना नगर के गांव फतहपुर कलां निवासी पुलिसकर्मी उदय सिंह पुत्र मुंशी जिसका करीब हफ्ते भर पूर्व पहाड़ी थाने में तबादला हुआ, जिसने 23 सितंबर को पहाड़ी थाने में आमद कराई थी। थानाधिकारी रामावतार मीणा ने बताया कि बुधवार को करीब 12 बजे उपखंड कार्यालय परिसर में बने रिकॉर्ड रूम की दो मंजिला छत से पुलिस जवान नीचे गिर गया जिसे, लहूलुहान हालत में पहाड़ी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उसको मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक उदय सिंह के शव को सीएचसी की मोर्चरी में रखवा दिया और जवान की सूचना परिजनों को फोन द्वारा दी गई, सुबह पहुंचे परिजनों ने थाने पहुंच हंगामा किया और हत्या का आरोप लगाया। मृतक के भाई ने बताया कि मेरा भाई उदय सिंह बुधवार को ड्यूटी पर आया था जिसमे, अपनी बहिन से फोन पर बात भी की थी उसी दौरान फोन पर किसी अन्य व्यक्ति ने जातिसूचक शब्दों से अपमानित करते हुए विवाद किया। पुलिस को दी गई शिकायत में मृतक के भाई भूपेंद्र सिंह ने बताया कि 27 सितंबर को मृतक के परिवार वालों को जितेंद्र सिंह जो कि भुसावर थाने में तैनात है ने फोन किया कि उनके भाई उदय सिंह की मृत्यु हो गई है। उदय सिंह ने परिजनों को एक दिन पूर्व ही बताया था कि, 1 पुलिसकर्मी जो कि धौलपुर निवासी है साथ ही उसका एक और अन्य साथी है जो कि, उदय सिंह को तंग करते है व उससे मारपीट करते है। रात्रि करीब 9 बजकर 45 मिनिट पर उदय सिंह का उसकी बहिन सुनीता के पास फोन आया तो, दोनो पुलिसकर्मियों ने जातिसूचक शब्दों से अपमानित करते हुए बोला कि तू किससे बात कर रहा है। फोन को काट दे नही तो तुझे हम जान से मार देंगे। दोनो आरोपियों ने उदय सिंह से फोन छीनकर काट दिया और उसकी हत्या कर दी। परिजनों का आरोप है कि सोची समझी साजिस के अनुसार हत्या की गई है। साथ ही बुधवार की रात्रि को मृतक जवान को खाना भी नही देने के आरोप लगाए है। साथ ही थानाधिकारी पहाड़ी पर घटना का संतोषजनक जवाब न देने के आरोप लगाए हैं। कि कभी तो परिजनों से कहा गया कि सड़क हादसे में मौत हुई है, कभी छत से गिरने से मौत हुई है, पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जमकर हुआ हंगामा

पुलिस जवान की मौत के बाद पहाड़ी पहुंचे मृतक के चाचा व भाई भूपेंद्र सिंह कस्बे के जाटव समाज के पास पहुंचे और निर्णय किया कि उदय सिंह की हत्या की गई है। जिसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए और परिजनों को न्याय मिलना चाहिए। पंचायत में सहमति के बाद मृतक के परिजन सीएचसी पहुंचे जहां, मोर्चरी में मृतक के शव को देखने को अड़े, वहीं पुलिस टालमटोल करती रही। सीएससी में भी हंगामा खड़ा हो गया स्थिति बिगड़ती देख पुलिस को शव दिखाना पड़ा।

घटना के पहुंचे नेताजी

पुलिसकर्मी की मौत के बाद पूर्व मंत्री नसरू खान व कुरसीद खान भी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए और पुलिस पर लापरवाही के आरोप लगाए।

छोटी छोटी झड़पों के बाद हुआ पथराव

भीम आर्मी के नेता भी मौके पर पहुंच गए और पहाड़ी थाना परिसर में धरने पर बैठ गए जिसको, लेकर तनावपूर्ण माहौल बन गया। जिनको पुलिस ने हटाया तो पुलिस पर पथराव हो गया। पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर सभी को वहां से भगाया, वहीं पुलिस के खिलाफ नारेबाजी का सिलसिला भी चलता रहा। कभी सीएससी में तो कभी थाना परिसर में नारेबाजी व विरोध के स्वर गूंजते रहे।

एफआईआर की तहरीर देने के बाद भी एसपी कलेक्टर का बुलाने की मांग

मृतक पुलिस जवान के परिजनों ने पुलिस को हत्या का आरोप का खुलासा करते हुए एफआईआर हेतु शिकायत दे दी। जिसके बाद एफआईआर पर हस्ताक्षर नहीं किया और एसपी कलेक्टर को पहाड़ी बुलाने की मांग करने लगे।

घंटों बाद तक नही हुआ पोस्टमार्टम

मृतक पुलिस जवान की मौत के बाद 21 घंटों बाद तक पोस्टमार्टम नही हो सका।पुलिस लगातार पोस्टमार्टम की कार्रवाई का इंतजार करती रही।

पहाड़ी थाने में हाल ही में दो मौत

गत दिनों पहाड़ी थाने में ही तैनात हैडकांस्टेबल की मौत हो गई थी, जिसके करीब एक माह ही बीतने के बाद पुलिस जवान की मौत हो गई, आखिर क्या मानसिक पीड़ा से प्रताड़ित किया जिसके कारण मौतें हो रही है यह भी जांच का विषय है।

आर्थिक राजनीति कौशल विकास, इक्विटी और मूल्य स्थिरता को संतुलित करने में निहित है डॉ. सी रंगराजन

चमकता राजस्थान, रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट

जयपुर. प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् के पूर्व अध्यक्ष और भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर डॉ. सी. रंगराजन ने कहा, आर्थिक राजनीति कौशल विकास, इक्विटी और मूल्य स्थिरता को संतुलित करने में निहित है।' वह' भारत के विकास, राजकोषीय नीति और मौद्रिक नीति: आर्थिक झटकों से कैसे उबरें विषय पर लेखों वाले ई-संग्रह के विमोचन के अवसर पर बोल रहे थे, जिसे सी. रंगराजन और अर्न्स्ट के मुख्य नीति सलाहकार और यंग इंडिया और मद्रास स्कूल आफ इकोनोमिक्स के पूर्व निदेषक, डॉ. डी. के. श्रीवास्तव, दोनों ने संयुक्तरूप से लिखा है। यह ई-संकलन लेखों का संग्रहण है जो इस कठिन समय के दौरान सामने आने वाली आर्थिक चुनौतियों पर गहरी अन्तर्दृष्टि प्रदान करता हैं। यह कट्स'इंटरनेशनल द्वारा प्रकाशित किया गया है, जो कि व्यापार,विनियम और सुशासन पर पर अग्रणी वैष्विक सार्वजनिक नीति विचारक और कार्य करने वाली संस्था है।इस अवसर पर कट्स'इंटरनेषनल के महामंत्री प्रदीप महता ने डॉ. सी. रंगराजन, डॉ. श्रीवास्तव और अन्य प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए सूक्ष्म आर्थिक और व्यापक आर्थिक दोनों मुद्दों पर डॉ. रंगराजन की गहन अन्तर्दृष्टि की सराहना की। उन्होंने उस मार्गदर्शन और सलाह को रेखांकित किया, जो डॉ. रंगराजन ने कट्स'और उसकी सम्बद्ध संस्थाओं को वर्षों से प्रदान किया है। महता ने कहा कि इस सार-संग्रह में आर्थिक नीति पर लेखों का एक मूल्यवान संग्रह है, जिसे प्राप्त करना और समझना आसान होगा। यह संग्रह, नीति निर्माताओं और जनता, दोनों की सुविधा के लिए सावधानीपूर्वक एक साथ रखा गया है। यह विश्व अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाली कई चुनौतियों का पता लगाता है, विशेषरूप से कोविड-19 महामारी और रूस-यूक्रेन संघर्ष।अपने सम्बोधन में डॉ. रंगराजन ने कोविड-19 की अनूठी प्रकृति पर प्रकाश डाला और इसे पिछले शताब्दी में इस तरह के महत्वपूर्ण आर्थिक नतीजों को जन्म देने वाला पहला गैर-आर्थिक संकट बताया। डॉ. रंगराजन ने इस बात पर जोर दिया कि एक बहुआयामी विकास रणनीति आवश्यक है और केवल मात्र सुधार, आर्थिक विकास की गारंटी नहीं देते है। उन्होंने कहा,'आर्थिक विकास हमारी कई सामाजिक और आर्थिक समस्याओं का जवाब है, इसे लम्बे समय तक कायम नहीं रखा जा सकता, जब तक कि इसमें निष्पक्षता को भी शामिल नहीं किया जाए। रंगराजन ने आर्थिक और गैर-आर्थिक दोनों कारकों पर ध्यान देकर निवेश के लिए अनुकूल माहौल बनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।'

राधाकृष्णन शिक्षक संघ ने विद्यालयों का समय अक्टूबर माह में यथावत रखने की,की मांग

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट धौलपुर राजस्थान शिक्षक संघ राधाकृष्णन धौलपुर के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश लोधा ने माननीय शिक्षा मंत्री एवं निदेशक माध्यमिक शिक्षा बीकानेर राजस्थान को ज्ञापन पत्र भेजकर अक्टूबर माह में भी विद्यालयों का समय यथावत रखने की मांग की है। जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश लोधा ने बताया कि शिविरा पंचांग के अनुसार राज्य में विद्यालय एक अप्रैल से सितंबर माह तक 7.30 से 1ः00 बजे तक संचालित होते हैं जबकि एक अक्टूबर से मार्च माह तक 10 बजे से 4 बजे तक संचालित होते हैं।अक्टूबर माह में विद्यार्थियों के लिए गर्मी और उमस अधिक रहती है। जिससे छात्र गर्मी और उमस से बैचेन अधिक रहते हैं और छात्रों की मानसिकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। छात्रों की मनोवैज्ञानिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अक्टूबर माह में यथावत समय रखना आवश्यक है। अतः राधाकृष्णन शिक्षक संघ 10ः00बजे से 4ः00बजे के स्थान पर अक्टूबर माह में भी विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए 7ः30 से 1ः00 बजे तक यथावत समय रखने की मांग करता है।

अग्रेसन सेवा समिति का सम्मान समारोह : सरकारी नौकरी मिलने पर युवक-युवतीयों स्टूडेंटस और बुजुर्गों को किया सम्मानित

चमकता राजस्थान,

बालेर/ विशाल अग्रवाल. अग्रसेंन सेवा समिति सवाई माधोपुर की ओर से बुधवार रात सम्मान समारोह को आयोजित किया गया। समारोह में साल 2022 -2023 में 85त्न से ज्यादा अंक प्राप्त करने वाले स्टूडेंट्स को सम्मानित किया गया। इसी के साथ ही सरकारी नौकरियों में नियुक्त होने वाले युवक-युवतियों को सम्मानित किया गया नगर परिषद क्षेत्र के सवाई माधोपुर 73 सीढ़ी स्कूल में हुए समारोह में बुजुर्ग दम्पत्तियों का भी सम्मान किया गया। इसके चलते साथ ही जनवरी 2023 से अब तक सरकारी विभागों, कंपनियों में नियुक्त हुए युवक-युवतियों को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि सवाई माधोपुर पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला रहे। सामारोह की अध्यक्षता ओम अग्रवाल ओटीसी वाले, विशिष्ट अतिथि के रूप में राजेश गोयल बोली वाले, जिलाध्यक्ष अग्रवाल समाज अशोक गर्ग राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन रहे। कार्यक्रम में सवाई माधोपुर तहसीलदार मुकेश कुमार अग्रवाल, विद्युत अधीक्षण सतीश कुमार अग्रवाल,अग्रवाल समाज समिति सिटी के नव -नियुक्त अध्यक्ष बृजेश गर्ग अग्रवाल, समिति हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष गिर्राज प्रसाद अग्रवाल समाज समिति मानटाउन के अध्यक्ष राजेश गोयल चक्की वाले सहित बड़ी संख्या में अग्रवाल समाज बंधु मौजूद रहे। सभी अतिथियों का समाज के बुजुर्गों व पदाधिकारियो ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया।इस दौरान अतिथियों ने संगठित होकर समाजिक कुरीतियों को मिटाकर समाज के उत्थान करने की बात कही।

ईवीएम प्रदर्शन का तीसरा चरण आज से

बीकानेर। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत ईवीएम वीवीपीएटी प्रदर्शन का तीसरा चरण शुक्रवार से प्रारंभ होगा। जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी नित्या के. ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार तीसरे चरण के कार्यक्रमों का निर्धारण किया गया है। इसके तहत 29 सितंबर को सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज, 30 सितंबर को महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, 3 अक्टूबर को पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, चार को माध्यमिक और प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय, पांच को इंदिरा गांधी नहर परियोजना के मुख्य कार्यालय, 6 को राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केंद्र तथा 7 अक्टूबर को अभियांत्रिकी महाविद्यालय में ईवीएम का प्रदर्शन किया जाएगा।

34 फर्जी सिम कार्ड, दो मोबाइल फोन, एक मोटरसाइकिल तथा फर्जी सिम बिक्री के 4700 रुपयों सहित दो आरोपीयो को जुरेहरा पुलिस ने गिरफ्तार किया

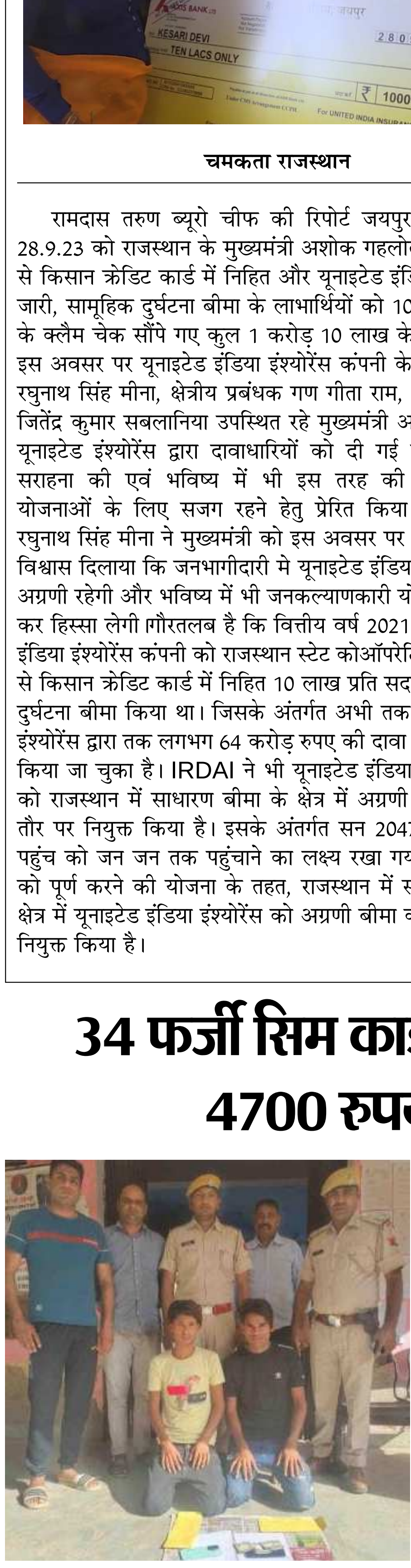

चमकता राजस्थान

ब्यूरो चीफ दीपचंद शर्मा डीग, जिला पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देशन में साइबर ठगो के विरुद्ध चलाए जा रहे हैं अभियान के तहत कामां के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हिम्मत सिंह के सुपरविजन में पुलिस थाना जुरेहरा द्वारा कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों को गिरफतार किया । पुलिस ने बताया कि गुरुवार को सुचना मिली कि दो व्यक्ति एक अपाचे मोटरसाइकिल पर ग्राम रसूलपुर की तरफ से आ रहे हैं जिनके पास भारी संख्या में फर्जी सिम कार्ड हैं, इस पर ग्राम रसूलपुर व सोनोखर के मध्य स्थित निर्माणाधीन पुलिया पर पहुंचकर पुलिस द्वारा नाकाबंदी की गई । इस दौरान मुखबिर के बताए हुलिया के दो व्यक्ति एक अपाचे मोटरसाईकिल पर आए जिनको पुलिस ने रोका उनका नाम पता पूछा गया तो उन्होंने अपना नाम आसिफ पुत्र इलियास मेव उम्र 21 साल निवासी ग्राम नगला शहजाद थाना कामां, आफात पुत्र इकबाल मेव उम्र 20 साल निवासी ग्राम नगला शहजाद थाना कामां का बताया जिनकी तलाशी ली गई तो मुल्जिम आसिफ के पास 20 फर्जी सिम कार्ड, फर्जी सिम बिक्री के 4700 रूपये एक मोबाईल फोन एवम घटना में प्रयुक्त मोटरसाईकिल मिले तथा मुल्जिम आफात के कब्जे में कुल 14 फर्जी सिम कार्ड व एक मोबाईल फ़ोन मिला । मुलजिमों के कब्जे में भारी संख्या में मिले कार्ड के सम्बन्ध में जानकारी की गई सिम । पुलिस द्वारा सिम कार्ड के संबध में उनसे जानकारी की गई तो बताया कि हम लोग बाहर से फर्जी आधार कार्ड पर सिम जारी करवाकर उन पर सिम खरीद कर लाते है तथा उन सिम कार्डो को ओएलएक्स ठगी करने वाले लोगों को महंगे दामों में बेच देते है । पुलिस ने बताया कि मुलजिमों द्वारा कूटरचित तरीके से फर्जी आधार कार्ड पर फर्जी सिम कार्ड जारी करवाकर ओएलएक्स ठगी करने वाले लोगो को महंगे दामों में बेचना पाए जाने पर 34 सिम कार्ड,दो, 2 मोबाईल फ़ोन, 4700 रुपयों तथा एक मोटासाइकिल को जप्त कर पुलिस ने दोनों मुलजिमों को गिरफतार किया। पुलिस गठित टीम में थाना अधिकारी महेश कुमार, एएसआई रणजीत सिंह जितेंद्र सिंह, चालक ओम प्रकाश पुलिस थानाजुरेहरा शामिल रहे ।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवम 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली न.6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक: अभय सिंह चौहान, मोबाइल: 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)